

सं० 11] नई विल्ली, शनिवार, मार्च 14, 1987 (फाल्गुन 23, 1908) No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 14, 1987 (PHALGUNA 23, 1908)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग 111--वण्ड 1

# (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियम्बक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेख विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा झायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० पी०/132 प्रशासन-I—-राष्ट्रपति द्वारा, सं० ली० से० मा० के कार्यालय में झवर सचित्र के पद पर कार्य कर रहे के० स० से० के ग्रेड I के स्थाई श्रक्षिकारी श्री एम० पी० जैन-I को 30 नवस्वर, 1986 के अपराह्म से, निवर्तन ग्रायु होने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनमति प्रदान की जाती है।

एमः० पी० जैन-II, श्रवर सचिव संघलोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन प्रधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 फरवरी 1987

सं० ए-11/15/75:--प्रवर्तन निदेशक एतद्ग्रारा इस निदेशालय के श्री बी श्रार० शर्मा की इस निदेशालय के वस्यई क्षेत्रीय कार्यालय में 5-2-87 (पूर्वाह्म) से तदर्थं ग्राधार पर 6 महीने के लिये स्थानापम मुख्य प्रवर्तन ग्राधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> काली चरण मुख्य प्रवर्तन भ्रधिकारी

कार्मिक श्रौर प्रशिक्षण प्रशा० सुधार, लोक णिकायन तथा पेणन मंत्रालय (कार्मिक श्रौर प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय श्रन्बेंषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 फरवरी 1987

सं० ए० 19036/27/78-प्रशा-5--गांधी शान्ति प्रतिष्ठान श्रौर श्रन्य संगठनों सम्बन्धी कुदाल जांच श्रायोग से प्रस्थावर्तन होने पर विद्या भूषण, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को 2 फरवरी, 1987 से के० ग्र० ब्यूरो की नफरी में, उसी पद पर, शामिल कर लिया गया है ग्रौर उन्हें एस० श्राई० सी के में तैनात किया गया है।

(1963)

सं० ए० 19015/23/84-प्रशाः 5-प्रत्यावर्तन होने पर, हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस से के० घ० ब्यूरो में प्रति-नियुक्ति पर धाये हुए श्री जसवीर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें 6 जनवरी, 1987 ग्रपराह्म से हिमाचल प्रदेश सरकार को सींप दी गई।

सं० 3/1/87-प्रशासन-5-राष्ट्रपति ने श्री डी० श्रार० मीना, भा० पु० मेवा, (उड़ीसा: 1977) को 10 फरवरी, 1987 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने के० श्र० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियक्त किया है।

सं० ए० 20023/4/83-प्रशासन्न-5-प्रत्यावर्तन होने पर, केन्द्रीय ग्रन्वेषजण ब्यूरो, सामान्य ग्रपराध स्कन्ध, बम्बई में वरिष्ठ लोक ग्रभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री एन० के० सत्यदास, लोक ग्रभियोजक की सेवायें 2-2-87 में पुलिस ग्रायुक्त ग्रैटर बम्बई को सौंपी जाती हैं।

धर्मपाल भस्ला प्रशासन ग्रिधकारी (स्था०) के० ग्र० स्यूरो

### गृह मंत्रालय

पुलिस ग्रनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली-1100003, दिनांक 19 फरवरी 1987

सं ० 18/14/86-प्रणा । II--श्री दयावन्त सिंह लूम्या, पुलिस उपाधीक्षक, एच ० ए० पी० जूंगा (जिला किमला); हिमाचल प्रदेश के केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, चण्डीगढ़ में पुलिस उपाधीक्षक (प्रशिक्षक) के पव पर प्रथम बृष्टांत में दिनांक 11-12-1986 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति भाधार पर नियुक्त किया जाता है।

म्रार० एस० सहाय, उपनिदेशक

# **महानिदेशालय** के० रि० पु०बल

नई दिल्ली-110003, विनांक 17 फरवरी 1987

सं० ग्रो० वो 2347/87-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर ग्ररिवन्द कुमार पुष्कर को ग्रस्थाई रूप से ग्रागामी भादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड- Il (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 9 नवम्बर, 1986 पूर्वाह्म मे सहर्व नियुक्त किया है।

एम ० ग्रशोक राज सहायक निदेशक (स्थापना) महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीश्वोगिक सुरक्षा अल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 फरवरी 1987 म० ई-32014(4/1/87-कार्मिक-1/15-राष्ट्रपति निम्निसिखित निरीक्षको (कार्यपालक) का, कें श्री० सु० ब० में सहायक कमांडेंट के रूप में प्रोप्तित पर, उन्हें उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से पूर्णत्या तदर्थ श्राधार पर ग्रीर श्रस्थाई रूप से 18 श्रास्त, 1987 तक या ऐमें समय तक नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहलें हो, नियुक्त करते हैं:---

फ़्रु० सं० फ्रिकारी का नाम सहायक के० फ्री० सु० व० कमांडेंट यूनिट/कार्यालय (तदर्य) के रूप में कार्य-भार संभालने की तारीख

1	2		3
सर्वश्री		(पूर्वास्त्र)	•
1. एस	<b>ग्रब्दु</b> ल नईम	30-1-87	के ब्फ्रो ब्सुब्ध व मुख्यालय, (ग्रग्निशमन) नई दिल्ली ।
2. एस	० एन० सिंह	6-2-87	ग्रार० एस० णी०, रा <b>ड</b> रकेला ।
3. <b>ए</b> स	० श्रीधरन	6-2-87	बी० सी० सी० एल <i>०,</i> झरिया

सं० ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-1/16-राष्ट्रपति, श्री कें के के निरंजन, सहायक कमांडेंट (तदर्थ), के घो सु० ब० यूनिट एफ बी० पी०, फरक्का की दिनांक 31 जनवरी, 1987 के श्रपराह्म से निरीक्षक/कार्यपालक के रैंक में प्रत्यावर्तन करते हैं। निरीक्षक/कार्यपालक के रूप में प्रत्यावर्तन होने पर उन्हें के घो सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल इसरिया में तैनात किया गया है।

सं० ई-32015(4)/1/87—कार्मिक-1/17—-राष्ट्रपति, श्री एस० एम० सिंह को प्रोन्निति पर नियमित ग्राधार पर विनांक 22 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्म से के० श्रौ० सु० ब०, यूनिट, बी० एस० एल०, बोकारो में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-1/18-राष्ट्रपति, श्री ग्रार० सी० प्रसाद, सहायक कमांग्रेंट (तवर्ष), के० ग्रो० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, श्ररिया को दिनांक 30 जनवरी, 1987 के ग्रपराह्न से निरीक्षक/कार्यपालक के रेंक में प्रत्यावर्तित करने हैं। निरीक्षक/कार्यपालक के रूप में प्रत्यावर्तित होने पर उन्हें के० ग्री० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल० योकारो में तैनात किया गया है।

हा० भ्रपठनीय महानिदेशक/के०भ्रो०सु०**व**० भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई विल्ली, दिनाक 20 फरवरी, 1987

सं 11/5/87-प्रशा०-1--राष्ट्रपति, श्री चंदन गोपाल ग्राई० ए० एस० (यू० पी० एस० सी० एस० 1977) को जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में तारीख 9 फरवरी, 1987 के पूर्वीह्न में वर्ष के लिये या श्रगले ग्रादेशों तक, जो भी ग्रवधि पहले हो, निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गोपाल का मुख्यालय लखनऊ मे होगा। बी० एस० वर्मा,

भारत के रजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखाकार परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 फरकरी, 1987 सं० 6-जा० ले॰ प०/56-71--निदेशक, लेखा परीक्षा (खाद्य) नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री बी० के० गोषिल लेखा परीक्षा अधिकारी (बा०) श्रपना श्रधिवार्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-1-1987 (श्रपराह्न) से सेवा निवृक्त हो गये हैं।

> डी० एन० ग्रानन्द, महायक नियंत्रक महालेखापरीक्षक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I नई दिल्ली-110002, दिनाक 23 फरवरी 1987

सं० प्रणासन-1/कार्यालय ग्रादेण स० 295—निदेणक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व—I, इस कार्यालय के श्री गोरख नाथ शर्मा स्थाई ग्रनुभाग ग्रधिकारी (ग्रब सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी) को स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के वेतनक्रम 2375—3500 रु० में 20 फरवरी, 1987 पूर्वाह्म से ग्रागे ग्रादेण दिये जाने तक नियुक्ति करने हैं।

मोहन खुराना, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 13 फरवरी, 1987

सं प्रशासन-प्रथम/पबोक्सति-93/सहा । लेप । प्रिध/3092-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री
रवीन्द्र कुमार राय II प्रनुभाग प्रधिकारी (लेखा परीक्षा)
को 30 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्न मे श्रस्थाई श्रीर
स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी (वर्ग ख
राजपित्तत 2000-60-2300-द । नि०~75-3200 रुपये
वेतनमान पर) के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय कलकत्ता हाई कोर्ट में लम्बिस रिट याचिका के श्रन्तिम निर्णय के श्रधीन है। नये पदोन्नति महायक लेखा परीक्षा मधिकारी को अनुष्छेद 2(ख) के गर्त के अनुसार भारत सरकार के किस मंत्रालय के जापन दिनांक 26-9-71 एक माह के भीतर अपना वेतन 22(क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नत के तारीख के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22 (ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से या सीधे पदोन्नति के तारीख में निर्धारण के लिये विकल्प दे मकते ह।

हे० श्री निवास मूर्ति, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

श्रम एवं पूनवसि मंत्रालय श्रम विभाग (श्रम ब्यूरों)

शिमला-171004, दिनांक 6 मार्च 1987

संख्या 5/1/87 सी पीआई — जनवरी, 1987 में आँदोगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1986 के स्तर 688 पर स्थिर (छः सौ अट्ठासी) रहा 1 जनवरी, 1987 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्गित किए जाने पर 836 (आठ मौ छत्तीम) आता है।

देवाशीष चौधरी सहायक निद्येशक श्रम मंत्रालय श्रम ब्युरो

#### उद्योग मंत्रालय

(ग्रांद्योगिक विकास विभाग)

विकास ग्रायुक्त (ल० उ०) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1986

सं० ए-31013/53/85-प्रणा० (राज०)--विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग विकास संगठन के निम्न-लिखित म्रधिकारियों को सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (भ्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद पर, उनके नाम के भ्रागे दी गर्ध तारीख से स्थाई रूप में नियुक्त करने हैं:--

करुं० ग्रधिकारी का नाम	स्थाई रूप में नियुक्त करने की तारीख
सर्वे श्री	
1. के० टी० सम्बन्दम	31-12-1985
2. बी० एम० शर्मा	31-12-1985
<ol><li>वी० सरवाना</li></ol>	31-12-1985
4. जे० सी० सिन्धु	31-12-1985
5. स्वदेश कुमार	31 <b>-12-1985</b>

दिनांक 10 दिसम्धर, 1986

मं० ए० 31013(23)/85-प्रगा० (राज०)—-राट्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उप-

निवेशक (काच/मृश्लिका) के पट ग्रागे दी गई तारीख मे स्थाई रू	पर, प्रत्येक के नाम के पमे नियुक्त करते हैं:
कम सं० श्रधिकारी का नाम	स्थाई रूप में नियुक्त करने की तारीख
ं सर्वंश्री	
	(पूर्वाह्र).
<ol> <li>जी० सी० भ्रग्नवाल</li> </ol>	31-12-85
2. शंमभूनाय बनर्जी	31-12-1985
3. पी० डी० मेई	31-12-1985
4. बी० एस० गोविन्द राव	31-12-1985
5. एल० टी० पी० मिन्हा	31-12-1985
6. एस० के० वाधवानी	31-12-1985
	सी० सी० राय
	उप निदेशक (प्रमा०)

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 फरवरी 1987

स० ए० 32013(मौ० वि० श्रेणी-1/8/85-ई~1— राष्ट्रपति निम्नलिखित मौसम विज्ञानी श्रेणी-II/महायक मौसम विज्ञानी को भारत मौसम विज्ञान विभाग में, उनके नामो के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-I के रूप में नियक्त करते हैं :--

क ० सं०	नाम	जिस तारीख मे
		मौसम विज्ञानी श्रेणी-
		के रूप में स्थानापन
		है ।

1	2	3
1. স্থা০ (প্রী	मती) जैंड० एन० बेगम	22-9-1986
2. श्री एम०	एच० प्रसाद	22-9-1986
3. श्रीके० व	<b>ि कनक</b> ने	22-9-1986
4. श्री प्रबोध	कुमार जैन	22-9-1986
5. श्री एन०	के० भाटिया	22-9-1986
6. श्रीके० पी	ो <b>० ह</b> जरा	22-9-1986
7. श्रीजी०	पी० <b>ह</b> लदर	22-9-1986
8. श्री ग्रर्जन	देव	22-9-1986
9. श्रीके० स	गै० सिन्हा रेय	22-9-1986
10. श्रीके० ज	थरमन	18-12-1986
11. श्री ए० के	ৈ উ	22-9-1986
12. श्री एम०	सी० गुप्त	22-9-1986

1	2	3
14. 🕏	ग० एस० एस० भण्डारी ग० वी० मुक्रमण्यम गी एस० मेनापति	22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986
17. 정 18. 왕	ा० श्रार० वी० शर्मा गीएम० डी० कुन्दरा गीश्रार० एच० वालदे	22-9-1986 13-11-1986 22-9-1986
20. 설 21. 평	र० टी० ए० खान गिजैस एन्थोनी गिजी० के० कपूर गिए० के० सैन	13-10-1986 3-11-1986 22-9-1986 22-9-1986
23. র্গ 24. র্গ	ति प्रार० सी० दुवे ो डी० एस० देसाई ो बी० सी० प्रवार	22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986

एस० डी० एस० ग्रस्मी, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक प्रशासन एवं भण्डार

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 19 फरवरी 1987

स० 6-17/85-मीषध नियंत्रण—विभागीय प्रोक्षित समिति की सिफारिणों पर स्वास्थ्य मेवा महानिषेशक ने केन्दीय प्रौषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री पी० के० मेनगुप्ता, ग्रमुन्तधान सहायक (जीव रसायन) को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये (पूर्व संशोधित) के वेतनमान मे उसी प्रयोगशाला मे तकनीकी श्रधिकारी (जीव रसायन) ग्रुप "बी" राजपित्रत के पद पर श्रागामी श्रादेशों तक ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्री पी० के० सेनगुप्ता ने केन्दीय श्रीषधशाला, कलकत्ता मे 17 नवम्बर, 1987 (पूर्वाह्म) से तकनीकी श्रिधकारी (जीव रसायन) के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

> मातु राम, ´ उप निदेशक प्रशासन (डी॰)

### नई दिल्ली, विनाक 23 दिस्म्बर 1986

स० ए० 12026/26/85-एम० एच०-स्वास्थ्य सेघा
महानिदेशक ने श्री ग्रामोक चकवर्ती ग्रानुभाग ग्राधिकारी, खान
विभाग (इस्पात ग्रोर खान मन्नालय) नई दिल्ली को दिनाक
1 श्रक्तुबर, 1986 के पूर्वाम्न से डा० राम मनोहर्
लोहिया ग्रस्पताल, नई दिल्ली मे प्रतिनियुक्ति के श्राधार

पर एक वर्ष के लिये प्रशानिक प्रधिकारी के पद पर निवृक्त कर दिया है।

> पी० एन० ठाकुर, उप निदेशक प्रशासन सी०जी०एच०एन०-1

### नई विल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1987

सं० ए० 31013/1/86-प्रशासन-1-राष्ट्रपित ने श्रीमती देवी मुखर्जी को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे दिनांक 1 जनवरी, 1985 से सहायक सचिव (पी० एफ० ए०) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त कर दिया है।

पी० के० घई, उप निदेशक प्रशाक्षन सी० एण्ड बी०

### कृषि मंत्रालय

# (कृषि तथा सहकारिता विभाग)

### विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 फांवरी 1987

मं० 2-1/85-स्थापना(I)—संघ लोक मेवा श्रायोग की सिफारिश पर बिहार लरकार के पशुपालन विभाग के स्थाई भ्रमणणील पशु चिकित्सा श्रिधकारी, डा० डी० बी० सिह को 1 जनवरी, 1987 (पूर्वाह्म) में श्रागामी श्रादेणों तक रुपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में स्थानान्नरण के श्राधार पर सहायक पशुधन श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

म्रार० जी० बनर्गी, निदेशक प्रशासन

# (ग्रामीण विकास विभाग)

# विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1987

स० ए० 31014/1/86-प्र०-1--श्री आर० रवीन्द्र-नाथ को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधकारी के स्थाई पद परमूल रूप से दिनाक ?3-7-86 से नियुक्त किया जाता है।

श्री रवीन्दनाथ का इस पद पर स्थाई होने की तारीख से उनका ग्रहणाधिकार, यदि कोई है तो स्वतः समाप्त माना जायेगा।

> श्रनीता चौधरी, कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्सिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 दिसम्बर 1986

मं० ना० ई० स/का० प्र० भ०/0703/2288—नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के प्रशापन एवं लेखा के उप मुख्य कार्यपालक जी महायक लेखाकार श्री जी० एन० खेडकर की कि 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न महायक लेखा श्रधिकारी के रूप में दिनोक 24-11-86 से 24-12-1986 पर्यन्त अथवा श्राममी श्रादेशों पर्यन्त इनमें में जो भी पूर्व घटित हों, नियुक्त करने हैं।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0703/2289—इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0703/1965 दिनांक 7-11-1986 के ऋम में महायक लेखाकार श्री ना० भरतन की महायक लेखाधिकारी के रूप में 2000—60-2300—द० रो०-75-3200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति को दिनाक 5-1-1986 पर्यन्त या श्रागामी श्रादेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, ग्रागे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिह, प्रबन्धक, कार्मिकव प्रशासन

केन्दीय उत्पादन श्रौर सीमा शुल्क समाहत्ति पय

वडोदरा, दिनाक 10 फरवरी, 1987

सं० 3/87—श्री एम० ए० कदरी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-4 बड़ोदरा दिनांक 26-1-1987, को 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनुासर वे दिनांक 31-1-1987 के अपराह्म में निवर्तन की श्रायु पर सेवा में निवृत्त हो गये हैं।

श्रीमती घरालक्ष्मी राजमनिकम समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन भीर सममा शुल्क

# निरीक्षण महानिदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी, 1987

सं० 2/87—श्री घो० एन० दुग्गल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुक्त समाहर्तालय, मेरठ मे श्रधीक्षक (के० उ० गु०) युप "ख" के पद पर तैनात थे, इत महानिदेशालय के दिनांक 23-10-86 के श्रादेश संख्या 1041/47/84—उ० प्रा० यू० के श्रनुसार निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के रूप में नियुक्त हो जाने पर दिनांक 13-1-87 (श्रपराह्न) से निरीक्षण महानिदेशालय (सीमा शुक्क व केन्द्रीय उत्पादन शुक्क) के गाजियाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट मे निरीक्षण श्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एच० एम० सिंह, निरीक्षण महानिदेशक उद्योग मंत्रालय, (कम्पनी कार्य विभाग) कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार कम्पनी श्रिधिनियम, 1956

एव

मध्य प्रदेश हयबर्ड सीड्य कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर, दिनाक 18 फरवरी 1987

सं० कमाक 1610/ममापन/सी० पी०/1686—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 उपधारा (2) के अन्तर्गत स्चित किया जाता है कि मध्य प्रदेश ह्यबर्ड सीडत कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर के आदेश दिनाक 18-1-1985 के द्वारा परिसमापन करने का आवेश दिया गया है तथा सरकारी समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

एय० करमाकर, कम्पनी रजिस्ट्रार ग्वालियर, मध्य प्रदेश

ग्रायकर ग्रपीलीय ग्रधिकरण

धम्बई-400020, दिनाक 18 फरवरी 1987 स० एफ० 48 एडी-एटी-1987--श्री एस० के० बिग्वास, ग्रधीक्षक, ग्रायकर ग्रपीलीय श्रधिकरण, बम्बई जिन्हे तदर्थं माधार पर मस्थाई क्षमता में महायक पंजीकार, भायकर म्रंपीलीय म्रधिकरण, गोहाटी पीठ, गोहाटी, में तीन माह की म्रंबधि के लिये दिनाक 24-11-86 से कार्य करते रहने की मनुमित दी गई थी । दिखिये इस कार्यालय की म्रंधिमूचना स० एफ० 48 एडी-एटी-1986 दिनाक 18-12-86 की म्रंब उसी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर भायकर म्रंपीलीय मिधकरण, गोहाटी पीठ, गोहाटी में और तीन माह की म्रंबधि के लिये दिनांक 24-2-87 से कार्य करते रहने की मनुमित प्रदान की जाती है या तब तक, जब नक, उनन पर पर निर्मान निर्मेशन न हो जाये, जो भी पहले हो।

उपयुक्त नियुक्त तदर्थ ब्राधार पर है, श्रीर यह भी
श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति
के लिये धावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ
श्राधार में प्रदत्त सेवाये न तो वरीयता के श्रभिप्राय
से उस श्रेणी में गिनी जायेगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणों
में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सी० एच० जी० कृत्णमूर्ति ग्रध्यक्ष इक्य ् बार्च ह ही. एए. एक . -----

नावकर निधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

काबीलय, तहायक नायकर भायकत (निरीकण)

प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विमांक 4 फरवरी 1987

निर्वेण सं० 2/जून/1986—म्प्रतः मुझे, एस० एम० खाडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िण से इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 704 से 717, 720 श्रौर 72 है जो नरनग्रम्मालपुरम खेडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे/एस/ग्रार-II, तिस्नेलवेली डाकु नं०/1006/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रथीन 16 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भे कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेसर्स सम्मार कन्सोलिडेशनस लिमिटेड, 8 क्लीड्रल रोड, मद्राग-86 (ध्रन्तरक)

(2) मेसर्स इंडस्ट्रीयल केमिकल्स एन्ड मोनोमरस लिमिटेड, 39 चामियरस रोड (1 फ्लोर) मद्रास-18

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्स सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी साम्रोट :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में त्रकाक्षण की सार्शन से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुख्या की तानीज से 30 दिन की नवीं भ, को जी जवित नव में समाप्त होती हो, के मीत्तर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस श्रुपना के राजपत्र में त्रकावन की संदर्भ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विश-वयुष किसी कन्य स्थानित क्षांच अधोइस्तानारी कें पास जिस्कित में किए जा सकोंगे।

रुक्तीकरणः — इतने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपछ व्यक्तिस्था, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, नदी वर्ष होना, यो उन अध्यास में दिशा यस हैं।

#### नमृत्यु

जमीन और मकान

एस० एम० खाडे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) - भ्रर्जन रेंज, मद्रास

नत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, धनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित आवित्यों, अधीत् :---

तारीख: 4-2-87

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभग

#### भारत सरकार

### कार्यासय, बहायक सायकर सायुक्त (निरीक्सम)

धर्जन रेंज-I, कलकरा

कलकत्ता. दिनांक 16 फरवरी 198

निर्धेण सं० ए० टी० आर०-/243/86-87/सं० 1278 आई० एसी०/एक्यू० आर०-1/कल०--ग्रतः मुझे, आई० के० गायेन,

बावकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं ध्वयों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 8 ए है तथा जो सईद स्याली स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-6-86

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बावर, उक्त निम्म से बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में अधी करने या उसके बचने में स्विधा क लिए; सर्द/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रीमती सीता देवी तिवायाला

(भ्रन्तरक)

(2) सहयोग प्रजेक्टस प्राईवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचमा चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई' भी बाक्षेप हुनन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाचीक थ्यः स्वामं प्रमुक्त कव्यों गौर पर्यों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20 कां परिधाणित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

### अमृत्यी

4 ए सईद स्याली स्ट्रीट, कलकता में स्नबस्थित जमीन तथा मकान का 156 वर्ग मीटर प्रायतन जो रिजस्ट्रार अब एसुरेंसेस कलकत्ता के पास डिडिड नं० I-8453 के अनुसार 19-6-86 में रिजस्ट्री हुआ

> भ्राई०के० गोयन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्तों, अर्थात् :---

तारीखाः 16-2-87

प्रारूप आद्दी. टी. एन. एस.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) की मधीन स्चना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16, फरवरी 1987

निवेश सं ० टी ० म्रार०- २४ 1/86-87/सं ० 1277/म्राई० ए०सी ०/ एक्पू०-म्रार०- १/कल० ग्रनः — मुझे म्राई० के० गायेन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4ए है तथा जो सईद स्याली स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यलय श्रार० ए० कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-6-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम केट स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत बिधीनयम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और∕कर
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सविधा के लिए;

- (1) श्रीमती श्रलका तिक्रावाला, रंजना तिक्रावाला (श्रन्तरक)
  - (2) सहयोग प्रजेक्टम प्रायवेट लिमिटेड (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभाहस्यः अर्ग के या किसिक में किए का सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ भिष्णा जो उस अध्याय में दिया गंधी हैं।

#### अनुसूची

4 ए सईद स्याली स्ट्रीट, कलकता में ग्रव स्थित जमीन तथा मकान का 156 वर्ग मीटर ग्रायतन जो रजिस्ट्रार ग्रव एमुरेन्सेस, कलकत्ता के पास डीड नं०— 8402 के ग्रनुसार 18—6—86 मे रजिस्ट्री हुग्रा।

> आई०के० गोयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 कलकसा

तारीख: 16-2-87

प्ररूप आर्दः टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, पूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' केहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० सर्वे नं० 108-ए-6 एन्ड सी० टी० एस० नं० 6138(पी टी) कस्बे नासिक, पंजवटी, नासिक में हैं तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)श्चर्जन रेंज श्रायकर श्रिवियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन तारीख 6-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्नरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भिकाजी शंकर भ्राहेर भौर भ्रन्य, 426 गोदावरी सदन, वकीलवाडी नासिक। (श्रन्तरक)
- (2) मधुकांत बीरजी ठक्∓ार, मार्फत नीलम सेन्टर, 'बी' विंग पहला मंजला ग्राफिस नं∘ 106, हिन्द सायकल रोड, बरकी बम्बई-25 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिखित में किए जा सकरेंगे।
- (स) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्थर्ध्दीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>न</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/389/86-87 जो 6 दिसम्बर, 1986 को सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-2-87

### THE MY AZ . FR. SS. STREET, CO.

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 10 फरवरी 1987

निर्देश सं० 37ईई/300/86-87-मतः मझे, मंजनी,

कृसार, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक प्रथात् उक्त अधिनियम' कहा नया **ह"), की धारा** 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत शाबार मूख्य 1,30,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 251/2, एन्ड सर्वे नं० 243/2 ग्रोती जमीन, बाल मन्दिर, धाग्रा रोड, पंचवटी नासिक-3 है तथा जो नासिक में स्थित है(ध्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ध्रायकर ध्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख, के श्रधीन तारीख 6-12-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्तर्य (बन्तरका) बाँड अन्तरिश (अतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा णवा प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति के वास्तरिक रूप से कांचरत कम सम्पत्तिक रूप से कांचरत कम स्था की

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नम्म शास्त्रिनों को, चिन्हें भारतीय नाय-कड़ निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्सम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

- (1) श्री पुरुषोतम सीताराम गोस्वामी श्रौर धन्य 4319, मालविया चौक, पंचवठी नासिक-3 (श्रन्तरक)
- (2) चन्द्रकांत टी० राजबहादुर, 199 ए र० जी० रोड, नासिक।

(भ्रन्तिः ती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

# रुक्त सम्मत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनियम, के बम्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

#### an wall

जैसा की रिजस्ट्रीकृत क०  $37\xi\xi/300/86-87$  जो 22-9-96 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) शर्जम रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

भंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज पूना

तारीख: 10-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 94, हिस्सा नं० 0 (गृन्य) गौजे चिकनघर ते० कल्याण जि० थाना है तथा जो कल्याण जि० थाना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) में श्रायकर ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख, के ग्रधीन तारीख 9-9-1986

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित ज्ववश्य से उक्स अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री धनाजय चिंतामण पकनीटकर श्रौर अन्य, पी/ए, एस० एच० चिंतामण सदाशिव श्रागलावे वाडा, भ्रागलावे श्राकी, कल्याण जि० थाना (श्रन्तरक)
  - (2) मेसर्स विकास इन्टरप्रायक्षेस, 9 युनिया निवास, मानेकलाल इस्टेट द्यागरा रोड, घाटकोपर बम्बई-86

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारोक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दीं और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

### अन्स्ची

जैसा की रजिस्ट्रीकृते क०  $37 \frac{1}{2} \frac{1}{4} \cdot 503 / 86 - 87$  जो 9 - 9 - 86 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-1-87

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज, पूना

नुसार, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया ही, की बारा ≯59-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का भारण हो कि स्थायर स्थाति, जिसका उचित बाबार सुक्ष 1,00,000/- रु. से अधिक है

थ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० <math>27/1, 28, 29/1, 29/2, 32, 33, 37,  $27/\sqrt[3]{1}$ ,  $26 \sqrt[3]{2}$ , 27 ए/3/3, 26 ए/1/2, 26 बी, 30, 31, 28, 11, 12, 300, 301, 302/1, 302/2 निवीवली कचौरे एन्ड कल्याण जि० थाना है तथा जो कल्याण जि० थाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक भायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 जखा, के श्रधीन तारीखा को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इरयमान अविफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन,, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री हिमायु खोडियार इरानी श्रौर ग्रन्य, मार्फत ग्रायरन वेकरी, 68 निझाम स्ट्रीट, बम्बई-9 (श्रन्तरक)
- (2) नरीनदास सिवनदास भरवानी और अन्य मालक एन सी ई इन्टरनेशनल गाला नं० 2, बी डी डी जॉल नं० 114, के सामने वरली, बम्बई 13 (भ्रन्तरिती)

.को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा काहि भी त्याक्ष्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

#### भनुसूची

जैमा की रिजस्ट्रीकृत कि 37\$\$14807/86-87 जो 19-9-86 को महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राथिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीखा. 9-1-87 मोह्र: प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/। रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं. लैंड, गांव तुगालीं, पो० नं० 167ं, बी० एफ० पी० नं० 167ं, टी० पी० एंस 1, लोनावाला है तथा जो पूना में स्थित हैं(भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रथिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीं 23-9-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के जायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिक्षा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे. मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) प्रो० एम० एल० दंतवाला श्रौर इतर विश्वसा,इंडियन स्कूल ग्राफ पालिटिकल, इकानोमी लोनावाला (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स जयानंद खिरा एन्ड कम्पनी प्रा० लि० जिरा भवन, सण्ड हर्स्ट ब्रीज, बाम्बे (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थष्टिकिरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत नं० 37जी/242/जो माह सितम्बर 86 को एस० भ्रार० बाम्बे के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 10-2-87

प्ररूप बाइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० झाई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/6-86/70- भ्रतः मुझे, टी०के० साह,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० हैं तथा जो 1ई/10 इस्ट पटेंल नगर नई विल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भायकर प्रधिकारी के कार्यालय भर्जीम रेंज 6 नई विल्ली में भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1961 के भ्रधीन तारीख जून 86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसते अन्तरण शिकात में शास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धारित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा के लिए।

(1) श्री राजक्षुमार सावरा केवल कृष्ण सावरा, मदन सावरा, चुन्नीलाल सावरा, जगदीश राज सावरा, भीम रान सावरा 1/10 इस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रमोक बिल्डर्स एंड कन्स्ट्रकशन 4ई/15 मंडेबालान एक्सटेंणन नई दिल्ली-55। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों ज्य स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

1ई/10, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-6, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 12-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चता

भारत सरकार

# कार्यास्य, सञ्चायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एनयू०/6/37ईई/6-86/71--भ्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो एक मंजिल मकान 4866/24 दिर्यागंज नई दिल्ली—2 क्षेत्र 236: 625 वर्ग मीटरस में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वाजित है) श्रायकर प्रधिनियम के कार्यालय प्रर्जन रेंज—II नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जून 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मून्य से कम के बरवमान शतिफस को लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि मधाप्योंकत सम्बत्ति का उचित बाचार मूक्स, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिश्चित उद्योग्य से उसर अंतरण सिचित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धम-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता(एच यू एफ) 1170 कूचा महाजनी, जांदनी चौक, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सिधू कंस्ट्रकशन 27-बी देशमुख मार्ग, बम्बई-26

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्तिं व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था है।

#### अनुसूची

एक मंश्रिल मकान 4886/24 दरियागंज नई दिल्ली क्षेत्र 266: 625वर्ग मीटरस

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली

ता**रीख**ः 12-2-1987

मोहर •

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 6, नई विल्ली नई दिल्ली विनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/6-86/72--- मतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो 2/13 कीर्ति नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रायकर श्रिधिनियम के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीफ जून 86

को प्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उनचे खबनाय प्रविक्त सं, एख खबनाय प्रतिकृत धा पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 3—496GI/86

- (1) श्रीमती दर्शन कोर ग्रीर नरिन्दर पाल सिंह सी-616, न्यू फेडम कालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्दरक)
- (2) मेसर्स गौरव इंटरनेश्नल, 13/2, कीर्तिनगर (वेयर हाउसिंग स्कीम), नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

2/13, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

. टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1987

भोहर:

# प्रकर बार्च हो । एव । पुर्द १,5------

# शायकर वाधानवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से अधीन स्वना

#### भारत सरमार

### कार्याक्य, सहायक बायकर बायुक्त (किरीक्रण)

मर्जन रेंज+6, नई विल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 12 फरवरी, 1987 -

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/ 73—-मृत. मुझे, टी० के० साह,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000 ं/- रु. से अधिक हैं
भौर जिसकी सं० है तथा जो जे-179, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली-27 में स्थित है(ग्रौर इससे-उपायदा ग्रनुसूची
में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है)ग्रायकर ग्रधिकारी के कार्यालय
भर्जन रेंज-II नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम
1961 के भंथीन तारीब जून 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में र्यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिग्रा।

अतः जयः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग को अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री राजीव क्लुमार सोलास, श्रीमती रूपक्रमुम सोलास (पत्नी) जे-179, राजौरी गार्डन, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेजर प्रेम कुमार मल्होता, एल-12, राजौरी गाईन, नई विल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंग्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अंथेहरताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवीनयम, भी अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ हुागा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

#### ननुसूची

ज-179, राजौरी गार्डन, नई विल्ली-27।

टी० के० साह सक्षम प्राधि री सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिस्ली

तारी**वा**: 12-2-1987

क्षम बाह्". टी. एंग्य एड्य व्यान

बायकर विधिनियव, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत तरकार

# कार्याक्षयः, सहायक बायकर बाव्यतः (विज्ञीयाण)

ग्रर्जन रेंज 6, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनोक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० श्राई० एज० सी०/एक्यू०/6/37ईई/6-86/73-ए/धतः मुझे, श्री टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की करा 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, मह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

धीर जिसकी सं 1 है तथा जो 15-ए डब्लयू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है), धायकर धिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय धायकर धिनियम 1961 के धिधीन तारीख जून 86

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के सबसेक प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि बमाप्नोंकत सम्पचि का उचित वाचार कृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफक से, एवं व्ययमान प्रतिफक का पंत्रह प्रतिस्व से विश्व हैं भीर मंतरक (वंतरकों) मीर वंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एवं बन्तरण के लिए तब यावा गवा प्रतिक कम निम्मिनियत उद्योग्य से उच्छ अंतरण विश्व में वास्तिवक कम निम्मिनियत उद्योग्य से उच्छ अंतरण विश्वत में वास्तिवक कम से किए तब गहीं फिक्स च्या है है—

- (क) जन्मरण में हुई जिसी नाम की वाबस, सक्त जिमियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अजने में स्विधा क सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी नाम मा किसी धन या कभ्य कास्तिया को, जिन्हें भारतीय साम-कर विधिनक्क, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनक्का, का धनकर विधिनक्का, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया काम चाहिए था कियाने में स्विधा के श्रीकर;

भतः वय, उपत श्रीधिवयम की धारा 269-म में अनुकर्ध के, में, उपत मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (%) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) डा॰ सुधांसु अक्रवर्ती, 15-ए/1, डब्लयू इ ए, करोलबाग, नई विस्ली ।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स डेनोन इंडिया लिमिटेड, ए-4-मायापुरी फैस-1, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

भी यह बुधवा चारी करके पूर्वोक्षय सम्परित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

यक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की नवींच, को भी ववींच में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वींबर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुनाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा ककों ने ।

प्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्ते और पर्वो का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में विमा नवा मैं।

अम्स्ची

. 15-ए/1, डब्लयू इ ,ए, करोलबाग, नई विस्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रेंज-6, नई विस्सी

तारीख़: 12-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की बभीन सूचना .

भारत बरकार

# कार्याजन, सहायक कार्यकर जायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीत रेंज 6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987 तिर्बोग स० भ्राई० ए०सी०/एक्यू०/6/37इइ/6-86/73बी भत: मुझ टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाचार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मिनस्तल नं० 10472, बार्ट नं० 16, प्लाट नं० 44, ब्लाक नं० 15-ए, डब्लयू इ ए, करोल बाग दिल्ली में स्थित हैं(श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं)श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जून 1985

को पृथितित सपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्रस में निए अंतरित की गृष्ट हैं और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यभान प्रतिप्रस से, ऐसे इश्यमान प्रतिप्रस के पंचह शतिकत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरिण के लिए तम पामा गमा प्रतिप्रस,, निम्नीकित उव्वोध्य से उक्त अंतरण निवित्त में बाक्तिक क्या से कवित में किया गमा हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (च) देनी किसी बाय या किसी धन वा बन्च आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर राधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सविधा के रिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जे० एल० बिरमानी सुपूत्र टी० श्रार० बिरमानी 15-ए/44, डब्लयू इ, ए करोलबाग, नई दिल्ली 2. वेदप्रकाश विरमानी सुपूत्र टी० श्रार० विरमानी, 15-ए/44, डब्लयू इ इ, करोलबाग, नई दिल्ली।

ै (अन्तरक)

(2) मैसर्स विकास एजेसी प्रा० लि० प्रताप चैम्बर गुरुद्वारा रोड, करोलबाग, नई दिल्ली 1 द्वारा डायरेक्टर श्री पी सी चावला।

(भ्रन्तरिती)

का यह मृष्या बारी करके पृत्रों कर सम्मत्ति के अर्थन के किए क्षेत्रयोगीहर्या करता हुं।

उच्या सपरित के अर्थन को संबंध को कोई भी काक्षीप :----

- (वं) ६स त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की वंपि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति गारा;
- (एं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी में।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधितयम, के कथ्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुष्रची

दो मजिल मकान
मुनिस्पल ने० 10472,
बार्ड ने० 16,
प्लाट ने० 44,
क्लाक ने० 15-ए,
करोलबाग,
नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायुकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–6, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1987

# प्रकप आर्थ . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारः 269 भ (1) के अधीन सुमना

#### बाह्य प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज 6, नई विल्ली
नई विल्ली, दिनांक 12-फरवरी 1987
निदश सं० श्चाई० ए० सी०/एलयू०/6/37ईई/6-86/73-सी--श्चरः मुझे श्री टी० के० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त विश्विमम'कहा गया है), की धारा
269 व से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० हैं तथा जो फलैंट नं० 101, 104 तक प्रगति टाबरस, 26, राजिन्द्रा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण क्ष्प से विंणत है) आयकर श्रिधकारी के कार्यालय, प्रजंन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख जून 86।

की पूर्वोश्त संपत्ति के उचित अवार मृत्य से कम के व्यवभाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्यवमान प्रतिफल का पत्नह अतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किमी जाय की बाबत, उक्स मधिनियम के बधीम कर बोने के जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और√या
- (क) ऐसी जिसी जाव वा किसी धन का कन्य जास्सियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अथा जाहिए था, कियाने में स्विधा की सिए,

बतः वन, उक्त विभिन्निम की भारा 269-न के बन्धरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भ्रपार प्रा० लि०, 306-307, बी एम सी हाउस, मिडल सर्कल, एन-ब्लाक, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) एस० जे० जिदल मैडिकल रेलिक सोमायटी फलैंट नं० 101 से 106 तक प्रगति टावरस, 26, राजिन्द्रा पलेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारी के 45 दिन की अविध मा तत्संत्री व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध मो मो अविध ना में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थित स्वारा;
- (हं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध वर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में विशा गया

#### **ग्र**न्सूची

फलैंट नंब 101 से 104 तक, प्रगति टावरस, 26 राजिन्त्रा पलेस, नई बिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1987

प्रकर् अर्था , ही . एव . एव , ------

बादकर विशिधक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वजीन ध्वजा भारत सरकार

कार्यांतर, बहारक बारकर नायुक्त (नियोक्त)

श्चर्णन रेंज 6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987 निदश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू 6/37ईई/6—86/ 73—डी०—-ग्रत: मुझे टी० के० साह

कानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दश्यके पश्यात् 'उनत जिथिनियम' सहा पता हैं), की भार 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाबार श्रूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी, सं० बी-5 है तथा जो प्लाट नं० 15, प्रीत विहार कम्यनिटी सेन्टर, दिल्ली-110092 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) भायकर अधिकारी के कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 86 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंकर सम्पत्ति का उचित वाबार स्लय, उसके इच्यमान प्रतिकल से, एसे इच्यमान प्रतिकल का क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे इच्यमान प्रतिकल का क्ष्य अर्थे इच्यमान प्रतिकल से, एसे इच्यमान प्रतिकल का क्ष्य अर्थे इच्यमान प्रतिकल का कारण है कि यथाप्यों कर के लिए तथ पाया गया प्रतिकल का विश्व विद्या से अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल जिल्ला कि स्था के किया उच्च के किया विद्या के किया कि स्था की किया के किया की कि

- (क) अंतरण से हुए किसी जाय की बाबत, उकत विविद्यम् के द्वीन कर दोने के बंददुक के दायित्व में कासी करने या बसके बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) साबिती प्रापर्दीज प्रा० लि०, जी 5/92, नेहर पलेस, नई दिल्ली-110019

(प्रन्तरक)

(2) सुषमा सिगला पुत्र श्री जे सी सिगला, एम०-2, ग्रेटर कैलाश-1, मार्किट नई दिल्ली (भन्तरिती)

को नद् चुचना चारी करके पूर्वोक्त कम्मत्ति के नवेंन से जिल्ल कर्मनाहिकों करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में धरेड़ें भी आक्षेप रे---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 किए के भीतर उक्त स्थावर मम्पित में डिठ-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किस का सकेंगे।

स्थष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दौं और पक्षों का, जो उक्त विधिनयम के वश्याक 20-क में परिभाविद ही, यही अर्थ होगा औ उक्त अध्याय भें दिश्व गया है।

#### वन्स्वी

बेसमेन्ट नं॰ बी-5, 210 वर्ग फुट प्लाट नं॰ 15 प्रीत विहार कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली-11009 2

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-6, नई विस्ली

दिनांक: 12-2-87

## HOT THE STATES OF A STATES

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थान

## नाइत चंडकाड़ कार्यात्व, तहायक नामकर नायुक्त (निर्देशका)

भ्रजीन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/6-86/

श्रीर जिसकी सं० बी-4 है तथा जो 15 श्रीत विहार कम्यूनिटी सेन्टर, विल्ली-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961 के श्रिधीन तारीख ज्न 1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उण्डित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उण्डित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल बे, एवे वश्यकाल प्रतिप्रक का वण्ड्य प्रतिचल के विश्व है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पावा बवा प्रतिफन, निम्नलिखित उज्ज्वेय से उक्त अन्तरण किवित में वान्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिषय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए और/या
- (क) एंटी किसी भाव या किसी धन या अन्य बास्तियों का विन्हें भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यापी प्रकट नहीं किया गया था गिक्या जाना जाहिए था, क्रियान में सुनिधा जे सिक्ट!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) मैं० सावित्री प्रोपट्रीज प्रा० लि०, जी-5/92, नेहरु पलेस, नई दिल्ली-18

(भ्रन्तरक)

(2) सुषम सिंगला पुत्र श्री जे० सी० सिंगला, एम--2, ग्रेटर कैलाश-1, मार्किट, नई दिल्ली-48 - (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां कुक करता हुं।

## वर्षेत कम्परित के वर्षन के शम्बन्ध में कोई भी नात्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या ही।

#### जन्स ची

ब्रेसमेन्ट बी-4, 248 वर्गफुट प्लाट नं० 15 प्रीत ,विहार कम्यानिटी सेन्टर विल्ली।

> टी० के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-VI, नई दिल्ली।

तारीख: 12-2-1987

# प्र**पन बाह**े, टी., एवं<u>.</u>, द्वा<sub>डी साम्ब्राल्य</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचका

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक भाषकर बायुक्त (पिरीक्रण)

प्रर्जन रेंज 6, नई दिख्रसी

नई विल्ली, विनांक 13 फरवरी, 1मैं 87 🔎

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/6-86/73एफ---प्रतः मझे टी० के० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्यो, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं स्था जो 15 कम्म निटी

भौर जिसकी सं बी-6, है तथा जो 15, कम्युनिटी सेन्टर प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रायकर अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर भूभित्यम 1961 के अधीन तारी व जन 1986

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार बुंग्ब से कम को अवस्थान प्रतिक्रम के निष्ण जन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके क्रयमान प्रतिफल से एते क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिष्ण दव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाव की वाजध, धानक जीभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृविधा ज तिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, वा चन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सविधा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिवित व्यक्तियों, अधीत:---

(1) मै॰ साबिक्षी प्रापद्रीज प्रा॰ लि॰, जी-5/92, नेहरू पलेस, नई दिल्ली-110019

(भ्रन्तरक)

(2) मनोज सिंगला पुत्र श्री जे० सी० सिंगला, एम-2, ग्रेटर कैलाग-1, मार्किट, नई विल्ली--48 (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्व क्षेत्र सम्परित के अर्थन हो किए कार्यनाहियां करता हो।

#### क्षमा कमिता के सर्वत के संबंध में कोई भी शक्के ह---

- (क) इस सूचवा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविभि या तरसम्बन्धी स्थानतसों पर सूचना की सामी? से 30 दिन को अविधि, को भी सम्बन्ध नाव र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के औतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यम, के नध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वह अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया ही।

#### अन्स्ची

बेसमेन्ट नं बी-6, 218 वर्ष फुट प्लाट नं 15, प्रीत बिहार कम्यूनिटी सेन्टर, दिल्ली।

> ्टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज VI, नई दिल्ली ।

तारीख: 12-2-1987

प्रेरूप जाड़ें. ही. इन. एस. -----

जायफर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासयः, सहायक जीयकर सामुक्त (निराधिक)

ध्राजीन रेंज-6, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निवम सं अर्घि ए० सी०/एक्यु०/37ईई/6-86/73जी--श्रतः, मुझे श्री टी० के० शाह,

त्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य ा,00,000 ∕- र**ः. से अधिक ह**ै

श्रौर जिसकी सं० बी-7 है तथा जो 15 प्रीत विहार कम्युनिटी सेन्टर दिल्ली-92 में स्थित है (ग्रीर इससे, उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय म्रायकर मधिनियम 1961 के मधीन तारीफ जून 86

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के कथ्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की नहीं है और मुंधे यह विकास करने का कारण है कि बचापूर्वीक्त सम्पत्ति का विवत नावार क्त्य, उत्तकं क्रमान प्रतिकास से नृति क्षममान प्रतिकास क परवृद्ध प्रतिवत से विभक्त है और वंबरक (वंबरकों) और वंदरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्योहय से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त क[भिनियम को अभीन कर दोने के जन्तरण के द्राप्तरूप में कमी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा आर/या
- (व) प्रेती किसी बाय वा किसी धन वा अन्य अगरिक्वों को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त मधिनियम, या धन-कर **जभिनियम, 1957 (1957 का 27**) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुबास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना माहिए का, कियान वा माजधा न किए।

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हें, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग की उपभारा (1) क अधीन, निस्तानिति व्यक्तियों, वर्णोत् :----

(1) मैं० साविक्री प्रापर्टीज प्रा० लि०, जी-5/92, नेहरू पलेस, नई दिल्ली-19

(भ्रन्तरक)

(2) मनोज सिंगला पुत्र श्री जे० सी० सिंगला, एम०-2, ग्रटर कैलाश-] मार्किट, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 बिन की अवधि या शस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो शी बर्जीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्जोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दतारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगै।

स्पन्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उसल आयक्षर मीधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया यका है।

### नन्स्ची

बेसमेंट बी-7,269 वर्गफुट प्लाट नं० 15 प्रीत बिहार कम्युनिटी मैंटर दिल्ली है।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-VI,नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1987

मोहर :

4-496GI/86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1987 निवेश सं० प्रई-2/37ईई/35072/85-86--म्रतः

मुझे ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 65, मरोल इडस्ट्रियल विभाग तालूका अधेरी, जो फैक्टरी और अन्य स्ट्रकचर के साय बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करारामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 27-6-86 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19:22 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन, --

- (1) मेसर्स सिमलेस कप्सुल्स प्रायवेट लि॰ ्(ग्रन्तरक)
- (2) श्री पुरुषोतमसियानी तुलसियानी (श्रम्तरिसी)
- (3) अन्तरकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मपति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ·(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्वी

प्लाट नं० 65 मरोल इंडस्ट्रियल विभाग, तालूका भन्थेरी, जो फैक्दरी श्रौर श्रन्य स्ट्रकचर के साथ, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं $o^2$  श्र $\hat{\xi}-2/37\hat{\xi}\hat{\xi}/35072/85-86$  श्रौर अर सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\hat{\xi}$  द्वारा विवाक 27-6-1985 को रजिस्टर्ट गिया गया है।

ए० बैद्य सक्षम प्राथिकारी महायक धायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निद्रेश र्सं० भई-2/37ईई/34602/85+86---भतः, मुझे ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 101, गोल्ड कान को-ग्राप हाउसिंग सोसायटी लिं 7, बंगला पिकिनिक काटेज, ग्रन्धेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रुनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्राप्तकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 2-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेध्य से उच्त अन्तरण लिखित मे अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जीवन पाल गुप्ता ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री संजीन जग्गी ग्रौर ग्रन्य (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मंं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोध्य विकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकते अधिनियम, के अध्याय 20-क मां परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

### वन्स्ची

101, गोल्ड काउन को-माप० हाउसिंग सोसायटी लि० 7 बंगला, पिकनिक काटेज, भ्रन्धेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है।

भगुसूची जैसा की ऋ ० सं० धई-2/37ईई/34602/ \* 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-86 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० **बंद्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीफ :है13-2-1986 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनीक 14 फर्बरी, 1986

निर्वोश स० ऋई-2/37ईई/35070/85-86---श्रतः, मुझे ए० बैंद्य,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी र्स० इमारती के साथ जमीन का हिस्सा जो मोगरा विलेज भ्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है। ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 27-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० डायस ग्रीर अग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) प्रवीण एच० दोषी और ग्रन्य

(श्रन्तरिती)

(3) भाडुत

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृस्ची

इमारत के साथ जमीन का हिस्सा, जो मोगरा विलेज भन्धेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० श्रई-2/37ईई/35070/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 27-6-86 को रजिस्टर्ट किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, बस्बई

तारीख: 13-2-87

मोष्टर :

# इक्ष्मू आई है हैं। एक्स एक्स अवस्थ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

#### बाइव बंडकाड

### कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी, 1987

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/35069/85-86--श्रतः,

मुझे ए० बैंच,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसमी प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० जमीन का हिस्सा चाल के साथ जो विलेण मोगरा, तालूका, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है). श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीफ 27-6-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बद: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थास्:—

- (1) श्री सीताराम तुकाराम साटम श्रीर भ्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्म जी० म्राय० पी० म्रसोसिएटस (म्रन्तरिती)
- (3) भाडुत ्(वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में सम्पति है)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षक के लिख कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

### उनत सम्पृति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

## अमृसुची

जमीन का हिस्सा चाल के साथ जो विलेज मोगरा, तालूका भ्रन्धेरी, सबे नं० 11, हिस्सा नं० 3(श्रंग) सीटी सबे नं० 254, 254 1 से 10 बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/35069 85-86 श्रौर जौ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० बैस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

तारीफ: 13-2-1987

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/34830/85-86--अत:, मुझ ए० वैद्य

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० कम्पार्टमेंट नं० 52 प्लाट नं० 16, मरोल को-ग्राप० इंडिस्ट्रियल इस्टेट ग्रन्धरी कुर्ला रोड बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है)ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है। तारीख 20-6-86

को पूर्व क्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है लिए अर्तारत की गई है और मूक्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल दा पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्तसों बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) मेसर्स सुपर इंडस्ट्रियल प्राइवेट लि० (भ्रन्तरक)
- (2) टी० के० मेनथाल प्रायवेट लि० . (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों . पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### अन्स्ची

कस्पार्टमेंट नं० 52, प्लाट नं० 16, मरोल की— ग्राप० इंडस्ट्रियल इस्टेट, भ्रन्धेरी कुर्ला रोड, बम्बई--59 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37ईई/34830/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 20-6-86 को रिजस्टर्ट किया गया है।

ए० **बैद्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीष: 13-2-87.

प्ररूप आईं. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-2, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश स० म्रई-2/37ईई/35083/85-86-म्प्रतः मुझे ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िपसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० जमीन का हिस्सा जो त्रिलेज, तालूक ग्रन्धेरी, जिसका सर्वे नं० 41(ग्रंग) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एंग्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेससं ढोलिकिया एन्ड दयाल बिल्डर्स। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स राकलाईन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (अन्तरिती)
- (3) मेसर्स जय जय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।
  (वह व्यक्ति जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध, है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सवना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो विलेज स्रोशिवरा, तालूका स्रन्धेरी, जिसका सर्वे नं  $41(\pi)$ , बम्बई में स्थित है। स्नमुसी जैसा की फ सं  $\pi$  सई-2/37ईई/35083/85-86 स्नौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 27-6-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

प्रकृष कार्ड, टी. एन. एस. - - -

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ू, 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय . संहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/35084/85-86--श्रत:, मुझे ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीत का हिस्सा, जो विलेज श्रीणिवरा तालूका ग्रिधेरी, जिसका सर्वे तं 41 (ग्रंग) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध, श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क, खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अंतरितियो) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:——

- (का) अन्तरण तं हुई किसी नाय की बाबतः, उक्त सभिविद्यम के सभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी कडुने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी थन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मेसर्स ढोलिकिया एण्ड दयाल बिल्डर्स। (ग्रन्तरक
- (2) मेसर्स राकलाइन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (भ्रन्तरिती)
- (3) मेससं जय जय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (वह व्यक्ति जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति मे हितब इ.है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत राज्यिक के अर्थन के सप्तन्ध में कोई भी लाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

जमीन का हिस्सा, जो त्रिलेज स्रोशिवरा, तालूका स्रधेरी, जिसका सर्वे नं० 41(श्रंण) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की किं सं ग्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० बैस मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ड

तारीख: 13-2-1987

# मक्द बार्च ८ डी.: एव . एक .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन त्वमः

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायका (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1987

निर्वेण सं० मई-2/37ईई/34964/85-86--मत:, मुझे, ए० वैद्य,

नायकर निर्माणकर प्रिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें रसके प्रसान के क्षितियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें रसके प्रसान के का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्वावर सम्बत्ति, जिसका उपित बाबार मृस्व 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41(ग्रंश), विलेज ग्रोशिवरा, ताल्का ग्रधेरी बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालम बम्बई में रजिस्ट्री हैतारीख 26-6-1986

को प्राेंबत सम्मित्तं के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रायमाथ प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रचिक्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिमों का, जिन्हों भारतीय जायकर जांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत मधिनियम, मा धन-कर बाधनियम, 1957 (1957 ला 27) जै. प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए का । जनान में सुविधा के लिए;

मतः वन, उत्तर विधितिमम की धारा 269-ग की, वन्तरम धै, मी, उत्तर विधितियम की धारा 260-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5--496GI/86 (1) प्रवीण चन्द्र ती० क्रोधवानी भीर मन्य मनेष एल० ढोलिकया।

(भ्रन्तरक)

- (2) ग्रन्तिल कुमार श्रग्नवाल ग्रौर श्रन्य। (ग्रन्तरिती)
- (3) संतोष कुमार प्रग्रवाल। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालींच :----

- (क) इस स्वना के रावपक के प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की कविभ, को भी व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्वयं किरण: --- इसमें प्रवृक्त दक्षे बीड वहाँ का, वो उक्षे विभिन्नियम के बधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होणा को उस बध्याम में धिवा गया है।

### अन्स्भी

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 41 (श्रंश) विलेज श्रोणिवरा, तालूका श्रधेरी जो इसारत एल-1, के साथ, बम्बई में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि कि कि श्रर्ह-2/37 ईई/34964/85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-6-1986 को रज़ीस्टर्ड किया गया है।

ए० बैश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई** 

तारीख: 13-2-1087

## धक्य बाइ . टी . युन . युन . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

# फार्बासय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, अम्बर्ध

बम्बई, विनांक 13 फ़रवरी 1987

िर्देश स० ग्रई-2/37ईई/34897/85-86-मत. मुझे, ए० बैद्य,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अपीए सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गाला नं 14, मिलल इस्टेट इमारत नं 6, श्रवेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित (श्रीर इसमें उपाबद अमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 क, ख्र, के श्रवीन सक्षम प्रिविकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1966 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, क्स्य दश्यमान श्रीतफल से, एभे दश्यमान श्रीतफल का कन्तर दिए अन्तरित में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एपे अन्तरण के लिए तय गया गया श्रीतफल, निम्मितियां उद्गारय में उक्त अन्तरण मिलत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरच ते हुई किसी शाय की, बाबत्त, उचक बिधिनियस के बधीन कर दोने के बन्तरक की वासित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, मा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सणिधा के लिए;

अतः क्या, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण कों, भीं, उकत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राजस्थान टेक्सटाईल मिल्म।

(भ्रन्तरक)

(2) सुपर्व इटरप्रायमेम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में काई जी आक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्याख्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सक्यी।

स्पन्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवर गया है.

#### **४ न्स्मी**

श्रीद्योगिक गाला नं 14, मित्तल इस्टेट इमारत नं 6, उदीत मित्तल इंडस्ट्रियल को श्राप सोसायटी लि 0, श्रिपेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा की फ्रं० स० भ्रई-2/37ईई/34897/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ए० **बैध** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेज-2, **ब**म्बई

तारीख . 13-2-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1987

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फलैंट नं 404, स्त्रिगलीफ को-धाप हार्जासग सोमायटी 7, बंगलोज, जे पी रोड, प्रधेरी, (५) बम्बई-61में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण का ने वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री है तारीख 26-6-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बुमार वि० ग्राडवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसदीप सिंह श्रोबेराय श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं .सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा संकोंगे।

स्पष्टोकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्ग</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ♦

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं∘ 404, स्प्रिंगलीप को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, 7 बंगलोज, जे॰ पी॰ रोड, श्रधेंरी(प), बम्बई— 61, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० ग्राई-2/37ईई/34980/ 85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

### प्रकथ बाह्य, टी. एव . एस .,---------

# शायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाडा भारा 269-न (1) के नभीन क्षता

#### BURG STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2भ्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्रई-2ग्र/37ई/34429/85-86--ग्रतः मुझे, ए० बैग्र,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को वृह विक्वाब करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० एस० टी० एस० 200, न्यू डी० एन० नगर, अधेरी(प)में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत बाजार मूच्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहाँ हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्या, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उच्चोब्य से उच्च बन्तदुव लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की वावस, उनत मीमिनवृद्ध से ब्योन कर क्षेत्र से बाद्यक से बादित्व में कसी करमें वा उससे वचने में सीव्या के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीन बानु-कर ब्रीपनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर ब्रीपनियम, का धन-कर ब्रीपिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोबनार्थ जन्मिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा घा सा किया वामा चाहिए था, कियान में जुनिधा के लिए;

मतः सम, समत निभागियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एस्पीजय बिल्डर्स प्रायवेट लिए।

(घन्तरक)

(2) श्री पी० वी० गोपालकृष्णन भौर भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### अक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी वास्रेय हनन

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीस से 30 दिन की जनिय, जो भी सविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बच्च व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

पलैंट नं० 31, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० सी० टी० एस० 200, न्यू डी० एन० नगर, म्रधेंरी(प), बम्बई— 58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ध्रई-2ध्र/37ईई/34429/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2+6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ग्न, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

# प्रक्य बाइ . ही . एव . एस . ------

# जायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2ग्न, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 13 फरवरी 1987

निर्वेश सं० ग्राई-2श्र/37ईई/34798/85-86--श्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयंकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 250, शेर-इ-पंजाब को-श्राप सोमायटी, महाकाली केडज रोड, श्रधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है तारीख 9-6-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शम्तिकक रूप में किथित हों।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन अर द'न के अन्तरक न बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

तत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गुरदीप सिंह बजाज और मन्य। (मन्तरक)
- (2) मेसर्स सुप्रीम डेव्हलोपर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्यूची

ण्लाट नं० 240, शेर-इ-पंजाब को०-म्राप० सोसायटी, महाकाली केटन रोड, म्रधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है

> ए० बैस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2भ, बम्बई

नारीख: 13-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2भ, बम्बई

बम्बर्द, दिनाक 13 फरवरी 1987

निर्देश स० ग्रई-2ग्र/37ईई/34703/85-86--श्रत : मुझे, ए० बैश,

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० फ्लैट नं० 703, होरीझोन ब्ह्यू-1, श्राफो जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, श्रधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 13-6-1986

को पृत्रीक्स सम्पन्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के इस्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्ममान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरका (अन्तरकार) के बीच एसे अन्तरक के बिए तब पाया गया प्रतिफल, निमनसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबश, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी जाव वा जिली धन या जाव जासियों की चिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती कुलारा प्रकट नहीं किया गया था जिला जाना चाहिए था, क्रियान में मुविधा के जिए।

बतः जब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थास :---

(1) मेसर्स के० ग्रार० एसोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी चंद्रकांत गुप्ता। (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारो करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीत प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्वाराः;
- (४ क्स सुसन्। कं राजपत मो प्रकाशन की सारीक स 45 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हिग्नव्ध जिसा को स्थाक्त देशारा अवहिस्तालका के पास लिखित मों किए जा सकींगी।

स्यच्छिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुत्त्वी

क्लैंट नं० 703, होरीकोन क्ह्यू-1, प्लाट नं० 70, सर्वे नं० 91 ए (ग्रंग), ग्रौर 95 ए (ग्रंग), ग्राफ जय प्रकाण रोड, वर्सोवा, ग्रधेंरी(प), बम्बई-61 में स्थित हैं। ग्रमुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2ग्र/37ईई/34703/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ग्र, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

आर्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2म, बम्धर्ड

बम्बई, दिनांक 13 फ़रवरी 1987

निर्द्वेग र्मं ० ग्रई-2ग/37ईई/34345/85-86--ग्रत:

मुझे, ए० बैद्य, जाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १९६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 501, श्रीर पार्किंग नं० 15, होरीक्षोन व्ह्यू-1, श्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सीवा, श्रधेरी(प) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा स्नायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 2-6-1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकल, निम्नतिचित सक्ष्येंक वे उच्च बन्दरण विकित धाम्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अंतरण संहुइ किसी आयं की बाबत, उक्त किभिनियम के अधीन कर दोने के संवरक के द्रियत्व मो कमी करने या उसमें बचने भी मविधा के लिए; करें र का
- (क) एसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्याग पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था रिपान में मुबिधा के लिए;

भशः अव, अक्त विभिनिषय, की धारा 269-ए की बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभागः (१) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थातः १००

- (1) मेसर्स के० ग्रार० एमोसिएटस।
  - (भ्रन्तरक**)**
- (2) श्री रमेश नानालाल शाह श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह स्थान आरो करके प्यक्ति संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्षाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विध। गया है।

## अनुसुची

फ्लैंट नं० 501, श्रीर पार्किंग नं० 15, होरीझन व्हयू-1, प्लाट नं० 70, सर्वे० नं 91 ए (श्रंण) श्रीर 95ए (श्रंण), श्राफ जय प्रकाण रोड, वर्मीवा, श्रधेरी (प), बस्वर्ड-61 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा की करु सं० श्र $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{3}$   $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{3}$   $\frac{1}{4}$   $\frac{1}{3}$   $\frac{1}{4}$   $\frac{1}$ 

ए० बैद्य मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2ग्र बम्बई

तारीख: 13-2-1987

प्रारूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2क्र, अम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 13 फरवरी 1987 निर्दे सं० म्रई-2/37ईई/34702/85-86---म्रतः मझे, ए० वद्य,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेंट नं० 302, हीरोझीन व्हयू 3, श्राफ जय प्रकाण रोड़, वसींवा, श्रधेरी(प), वम्बई-6, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 13-6-1986 को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीतशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से मृक्स अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स के० भ्रार० एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नूरुल ग्रमीन युसुफ काझी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को इं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समासि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में व्याग जा सकने।

स्रष्टि||कारणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आरे उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा और उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्यी

्रम्लट नं० 302, होरीझोन व्ह्यू-3, प्लाट नं० 70 सर्वे नं० 91ए (श्रंग) श्रौर 95 ए(श्रंग), श्राफ़ जय प्रकाश रोड़, वार्सीवा, श्रश्वेंरी(प), बम्बई-61 में स्थित है। स्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2श्र/37ईई/34702/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1986 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैंच मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽2, बम्बई

तारीख: 13-2-1987

# प्रथम बाइ. टी. एन. एस. -----

# बासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ए (1) के सभीन स्पना

#### नारत बरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज -2म, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी, 1987

निर्देश सं० प्ररू-2म/37ईई/34989/85-86--म्रतः मुझे ए० बैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 301, होरीझोन व्हयू-1, प्लाट नं० 70, श्राफ जय प्रकाश रोड, बर्सीवा श्रंधेंगी (प), बम्बई में स्थित है फ्रोर इससे उपाबद्ध प्रनस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है भीर जिसका करारनाम श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैतारीख 26-6-1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तिरत की गर् है मुभ्रे यह निर्वास करने का कारण कि यथा पृथेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे करयमान प्रतिफल के पन्न्यह प्रतिकात से अधिक है , और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि चित

उब्देश्य से उक्त बन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित

नही किया गया है :---

- (क) बन्तरण ने हुई कियों भाष की वावस, अवन् भीवित्रिक्षक के अधीन के 3 अप के असरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपात्रनाथ कर्तारती द्वारा प्रकृट नहीं किया क्या वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

नत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसद्ध्य भों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—496G1/86 (1) मेसर्स के॰ भार॰ एसोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला पी० शाह।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के रायपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय,
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिल को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वास वभोहस्ताक्षरों के वास जिक्ति में किए जा सकतेंगे।

स्पळिकरण: —- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पद्यों का, जो उपर अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभावित् गया है।

## **प्रमु**सुची

पलेट नं० 301, इमारत "होरीक्षोन व्ह्यू-1" प्लाट नं० 70, सर्वे नं० ए (ग्रंग) श्रीर 95(ग्रंग) श्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सीवा, श्रधेरी (प), बम्ब $\frac{\epsilon}{6}$  में स्थिरत है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2श्र/37ईई/34989/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि कारी बम्बई हारा दिनांक 26-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैच सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2ग्र, बम्बर्ड

तारीख:13-2-1987

प्रारूप नाइ .टी .एन .एड . . . ......

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निर्दे मं० ग्रर्ह-2/37ईई/34417/85-86--ग्रतः मुझे ए० वैद्य

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000,-77. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 303, वेल महल, 7 बंगला श्रंधेंरी, बम्बई-61, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम, प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-6-1986

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान बित्यन के लिए अन्तरित की गई और मृत्रो यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण निम्नलिस मे बास्तिविक रूप से कथित नहीं कथा गया है र---

- (क) बन्तरण से धुइं किसी आय को यायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व भो कभी कारने ग्राउसमें बचन में सुधिधा भी लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा वे सिष्;
- अत. ग्य, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तिक्यों अधीन :----

- (1) श्री सुरिन्दर सिंह भल्लाभौर भन्य। (भन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश ईश्वरदास जावा श्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

# उन्त सम्मत्ति में नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सर्वोगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बम्स्ची

303, ज्वेल महल, 7 बंगला, श्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है।

धनुसूची जसा की कि० सं० धर्ছ-2/37ईई/34417/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1987

मोहर '

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंच-2ग्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं० म्रई-2म/37ईई/35125/85-86--म्रतः ्झेए वैद्यः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य - 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० पलेट नं० 301, तीसरी मंजिल, राजगिर मिलन, विहलेज अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 27-6-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंग्ररितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स राजगिर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोमल शरदक्षुमार छतपार धौर भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 301, 3री मंजिल, राजगिर मिलन, सर्वे नं० 77, हिस्सा नं० 3, व्हिलेज श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-2भ/37ईई/ 35125/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ग्न, बम्बर्फ

तारीख: 13-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाग

#### भारत संरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निवेश सं० ग्रई-1बी/37ईई/11867/85-86--श्रतः मझे निसार श्रहमद,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यासं करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीप जिसकी म० फ्लंट मं० 14, मारत मं० 1, छठी मिजल, नवजीवन को-श्राप० हार्जीसम सोसायटी लि०, लैंमि रोड, बम्बई—8 में स्थित है। (श्रीर सक्षम उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनयम, की धारा 269 क ख, के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कभ के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरके के बंधिटन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंग्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में गतिका के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) श्रीमती इश्वरीबाई मुरलीधर रहेजा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री खियालदास नरूमल जसवानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूर्वना के राजपंत्र में प्रकाधन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बक्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

फ्लेट नं 14, इमारत नं 1, 6ठी मंजिल, नवजी वन को-भ्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिं, लैंमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की फ्र० सं० प्रई-1/37ईई/10477/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 16-6-1986 को रजिस्ट्रेंड है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) { श्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई

दिनाक : 2-2-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1बी, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1987 निवेश सें० ग्रई-1बी/37ईई/11851/85-86—ग्रतः मुझे, निसार ग्रहभद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० 506, 5वीं मंजिल, काकड चेंबर्स, वरली, वम्बई-18 में स्थित हैं। ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूचि में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के ग्रिधिन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्दी है। तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म सेमीकान प्रायवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्स कानकॉर्ड स्टिल वर्स प्राईवेट लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के उर्जन है संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की शारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवाश;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मंत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रिमायसेस नं० 506, 5वी मंजिल, काकड चेंबर्स, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई/10470/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ग्रम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनाम : 3~2-1987

माहर:

# प्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1बी अस्बर्द अम्बर्द, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं भ्रई-1बी/37ईई/11838/85-86- म्रतः महो, निसार श्रहमद,

कारकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,060/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी मं० फ्लेट नं० 501 5वीं मंजिल, शिव िला, 57, ग्रनीभाई प्रेमजी, ग्रेन्ट रोड (पूर्व), बम्बई-4 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 की धारा क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 16-6-1986

को पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उन्त बिधिनियम की धार 269-ग के अनुसरणः में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

- (1) मेसर्स भारवानी ब्रांस एण्ड कम्पनी । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रंजना जे० पटेल श्रीर श्री श्रमीत जे० पटेल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विपा गया है।

## अन्स्ची

फ्लेट नं० 501, 5वीं मंजिल, शिव लिला, 57, भलीभाई प्रेम , ग्रेन्ट रोड (पूर्व), बम्बई-4 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा की ऋं० सं० श्रई-1/37ईई/10469/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1986 को रजिस्ट्रई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बी, बस्बई

विनांक : 3-2-1987

प्रस्प आहं . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1987

निदेश सं ग्रई०-1/37 ईई०/11826/85-86--अत:, मुझे निसार ग्रहमद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 14वी मंजिल, इमारत नं 5, प्रापर्टी जिसका सी एस नं 868/1/868, वरली, में स्थित है बम्बई (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1901 की धारा क, 269 श्रीम बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से मृक्त अन्तरण लिखित वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायि⊪य में कमी करने या उत्ससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ए) एंगी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए,

जब: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, स्मितिखित वीधनयों, अध्यु ——

- (1) बी बाई० बिल्डर्स प्राक्ष्वेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी जयाबेन शामजी भाई राठौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ल्लांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

फ्लैट नं० 2, 14वी मंजिल, इमारत नं० 5, प्रापर्टी जिसका सी एस न० 868/1/868, वरली, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैमा कि फ० सं प्रई०-1/37 ईई०/10463/ 85-86 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 16 जून, 1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमृद सक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बी, बम्बर्ध

तारीख: 3-2-1987

प्ररूप आहर्, टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1987 निर्देश में भाई०-1/37 ईई०/11781/85-86--श्रस मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

धौर जिसकी म फ्लैंट नं 606, 6वी मंजिल, मरीन ध्रपार्टमेंट के सामने, इमारत नं 1, मी एम न 315 तारदेव डिवीजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, देवताड़, बम्बई—7 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मैं और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्द्री है तारीख 3 जून, 1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रसिफल से एसे दश्यमान प्रसिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) ता इदेव प्रापटी प्राइवेट लि॰ ।

(भन्तरक)

(2) कनारा बैक ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 606, 6वी मंजिल, शिरीन श्रपार्टमैंट्स इमारत नं 1, सी एस नं 315, ता अदेव डिवीजन गंगा जमुना मिनेमा के सामने, ता इदेव, बस्वई—7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि मं भ्रई०-1/37 ईई०/10447/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 जुन, 1986 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ि निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बी, बस्बई

तारीख · 6-2-1987

प्रका बाद' टॉ. व्य वह -----

आगकर क्षित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-ण (1) के अधीन सुणना

#### नारत सरकार

## बन्धिका, क्षाबक जावकार बागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1987 निर्देश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/11777/85-86--यतः, मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधि यम, 1961 , 361 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातः प्रस्थित, 'कारा उचित बाजार शब्द 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं 506, गंगा जमूना सिनेमा के सामने, ताड़देव, बम्बई—7 में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिस ज करारनामा श्रायकर श्रिध नियम, 1901 की धारा 269 , ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्द्री है तारीख 3 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रिपफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापजांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से शिधक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयार) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया दिएल , निम्नलिखित उद्देश्य से उदल अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जातरण से हुई किसी आय की वाबस, उका की पिनियम के अधान कर होने को असरक की द्वारित्य में कभी करने था। उसम नचन में स्त्रिया की लिए, करिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १,०22 की ११) ये उक्त अधिनियम, रा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्याज रार्थ को नियम अपनियम, किया जाना चाहिए था, क्रियान में मुक्ति के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा ?69-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——7—496GI/86

(1) ताइदेव पापर्टी प्राइवेट ति० ।

(भ्रन्तरक)

(2) केनारा बैरि।

(ग्रामरिती)

को वह ब्बरा बारी करके पूर्वोक्स सम्मित के वर्षन के निध् कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त सम्मति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ
  अवधि का में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाना;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा. अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा. जो उक्ष अध्याय भी दिया गया है।

#### अन्सूची

पलैट नं० 606. 5वीं मंजिल शिरीन श्रपार्टमेंट्रस इमारती न० 1, सी० एस० नं 315, गाडदेव डिवीजन गंगा जमुना के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसूची जैंसा कि क्रम सं श्रई०-1/37 ईई०/10443/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुंग्रर्जन रेंज – 1 बी, बम्बई ं

तारीख : 6-2-1987

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 बी, बम्चई बम्बई, विनांक 6 फरवरी 1987

निर्देश सं श्र\$o-1/37 \$\$o/11775/85-86--श्रव:, मुझे, निसार श्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं 306, 3री मंजिल, शिरीन प्रपार्टमेंट्स, इसारन नं 1, सी० एस० नं 315, डिवीगन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, बम्धई—7 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ई तारीख 3 जुन, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ए'से द्रयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिधों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की भारा 269-च की उपध्मरा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) म ० ताइदेव प्रापर्टी प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) केनारा बैक ।

्(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशितरण :—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसुधी

फ्लैट नं० 306, 3मरी मंजिल, शिरीन ग्रापार्टमेंट्स इमारत नं 1, सी एस० नं० 315, ताडदेव डिबीजन, गंगा जामुना सिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई—7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्रम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/10441/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 3 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमव सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्भन रेंज-1 बी, बस्क्षई

तारीख: 6-2-1987

मोहर.

# प्ररूप बाइ .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1987 निदेश सं॰ भई-2/37ईई/11770/85-86--मितः

मुझे, निसार ग्रहमद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका स्वित वाचार मृत्य

क्षाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं भीर जिसकी संव पलैट नंव 103, पहली मंजिल, शिरीन भ्राटमेंटन, इमारत नंव 1, सीव एसव नंव 315, ताइदेव डिविजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, तांड़ देव बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इमार उपाबद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-6-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का विश्व का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गमा प्रतिफल गिम्नलिबित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गमा है —

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; मार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार अस्तिरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) ताड्देव प्रावर्टीज प्रायपट लि०।

(पन्तरक)

(2) कैनरा बैंक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तल्पामन्धी क्योक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६५ सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## वन्त्वी

फलैट नं 103, पहली मंजिल शिरीन भ्रपार्टमेंटस इमारत नं 1 भी एस नं 315, ताड़देव डिविजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताड़देव, बम्बई—7 में सिन्त है अनुसूची औसा की ऋ सं धूँ आई—1/37ईई/10436 85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3—6—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-2-1987

प्रारूप आहु. टी. एन. एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्याजय, सङ्गाहक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, विनांक 2 फरवरी, 1987 निवेश सं० भ्रई-1/37ईई/11762/85-86--भ्रत. भृक्षे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिका है

श्रीर जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेंग नं 1009/ए, 10-वीं मिलल, प्रसाद चेंबर्स, इमारत प्लाट न गिरगांय डिविजन, स्ववेशी मिल्स इस्टेट, राक्सी सिनेमा के सामने बम्बई-4 में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से विणत हैं)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 3-6-1986

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से मुक्त अन्तरण लिकित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री शिरीश रतीलाल भंसाली श्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पिक स्टार। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उथत स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्षी।

स्थव्यक्षिकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1009/ए, 10 वीं मंजिल प्रसाद चेम्बर्स इमारत, प्लाट नं० 1487, गिरगांव डिविजन स्वदेशी मिल्स इस्टेंट, राक्सी सिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/10431/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~1वी, बम्बई

विनांक: 2-2-1987

मोहरः

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1बी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० "म्रई-1बी/37ईई/11765/85-86--म्रतः मझे, निसार महमद,

धामकार अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 246, पंचरत्न, इमारत भाषेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करार-नामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1901 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 3-6-1986

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रोत्शंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितामा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कां) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थाद :— (1) मेसर्स फोर स्टार डायमंडसू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुलाब एच० जैन और श्रीमती चंद्रकला एम० जैन।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्वया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 246, पन्वरत्न इमारत, भ्रापेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्र $\frac{1}{37}$  हाँ  $\frac{1}{37}$  हाँ  $\frac{1}{37}$  85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  $\frac{3}{6}$  को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-1वी, बस्बई

विनांक: 2-2-1987

# प्रकप बार्ड, ठी, एव, धूस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269=च (1) के जभीन स्वना

#### शारत परकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्स (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, विनॉक 6 फरवरी 1987 निवेण सं० श्रई-1बी/37ईई/11769/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिमकी सं० फलैट नं० 102, पहली मंजिल, णिरीन भ्रानिंदेस्, इमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315; ताडदेव डिविजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव बम्बई-7, में स्थित हैं (भौर इससे उनाबद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रून से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख, के भ्रधीन बम्बई स्थिरत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हं तारीख 3-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का एम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चरिय से उच्चत अन्तरण लिखिटा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एस किसी बाय या किसी धन या बन्ध कारिन्सवा को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः वाव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के सधीब, ध्यम्तिसिंस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ताडवेब प्रापर्टीज प्रायपट लि०।
- (शन्तरक)
  (2) कैनरा बैक।
  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

# उन्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये वा सकती।

स्थय्दीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वया है।

# मनुस्ची

फलैंट नं० 102, पहली मंजिल, शिरीन ग्रपार्टमेंटस इभारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, ताडदेव डिविजन गंगा जमुना सिनेमा के सामनें, ताडदेव, बम्बई--7, में स्थित है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई

दिनांक: 6-2-1987

## प्रसम्य बाह्र . ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

## म्रर्जन रेज -बम्बई-1 बी

बम्बई, विनोक 6 फरवरी, 1987

निदेश मं० भ्रई-बी/37ईई/11771/85-86 श्रतः मुझे निसार शहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थाय सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये में अधिका हैं

स्रोर जिसकी मं० पलेट नं० 106, पहली मंजिल, शिरीन ध्रपार्टमेंटस इसारत नं० 1 मी० एम० नं० 315, भाइदेश डिविजन, गगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेश, बम्बर्ट-७ में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रमुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) स्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क० ख० के श्रिधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्टी है। तारीख 3-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन ता अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उफ्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

वाडवेव प्रापर्टी प्राईवेट लि॰।

(मन्तरक)

2 - केसराबीक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविध या शतसवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष रिक्ति कर व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्षिए जा सकरिं।

स्त्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्ची

पलैट नं० 106, जो पहली मंजिल, शिरीन सपार्टमेंट्स, इमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, ताड़देव दिवजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताड़देव, वम्बई-7 में स्थिन है। श्रनुसूचें जैसा कि क्र० सं० ग्रई-1/37-ईई/10437/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 3-6-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बी,बस्बर्ड

विनांक 6-2-1987 मोहरः

# प्रकृष बार्ड . ही . एन . एक . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यंशय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्तिक) श्रजीन रेंज, बम्बई-1 बी

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं० ऋई-1 की/37ईई/11731/85-85--- ऋतः मुझे निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 182, 18वीं मंजिल, काका साहेख गाडगील मार्ग, प्रभादेवी बम्बई में स्थित है और इससे उपाधक भनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित, है) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई रियत सक्षम अधिकारी के कायोलय में रजिस्ट्री है। तारिख 2-6-1986

को प्थेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित क्लार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में सृतिभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1 कल्पतरू इंडोसायमन कस्त्ट्रक्शनस ।

(भ्रन्सरक)

2 श्री पारसमल मीठालाल संचेटी और श्रीमती लिला कुमारी पारसमल संचेटी।

(ग्रन्तरिती)

# कां बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के बिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सच्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास दिन्दित में किए जा सकोंगे।

स्थल्दिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चवा है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं 182, 18वी मंजिल "शंतरिक्ष" काकासाहेब गाडगील मार्ग, भादेवी, बम्बई में स्थिण है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं श्रई-1/37-ईई/10425/ 85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा बिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-1 बी, बस्बई

दिनांक : 3-2-87

मोहर:--

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1 बी,बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निदेश सं० ग्रई-1बी/37ईई/11772/85-86 ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निर्मानयम, 1961 1961 का 43) (जिसे इलसें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

ग्र.र जिसकी सं० फ्लैट नं० 107, 1ली मंजिल, शिरीन अपार्ट-मेंटस इमारत नं० 1, सी एस० नं० 315, ताड़देव बिल्डिंग डिवी-जन, गंगा जमूना सिनेमा के सामने, नाड़देव, बम्बई-7 में स्थित है (शीर इससे उपाबद अनुसूणी में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-6-1986

को प्रोंचत सम्मित के विश्व नामार मृत्य से कम के सरमाय मितफान के लिए अंबरित को पहें हैं जोर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों कम सम्मित का उचित आजार मृत्य उसके ध्रमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्सरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया वया प्रतिकाल निक्नितियां वस्त्र वंतरण वंतरण किसित में सम्बन्धक कर से कायत नहीं किया कर्म है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत् :---8—496GI/86 (1) नाइदेव प्रापट्टीज प्राईवेट लि०।

(श्रन्सरक

(2) केनरा बैंक

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

## उक्त सम्मित्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसनबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही वर्ष ह ना जो उत्त कथ्याय में दिवा नया है।

# **बन्स्**ची

फ्लैट न० 107, शिरीन, ग्रपार्टमेंटस इंमारत न० 1, सी० एस० न० 315, डिबीजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताड़देव, बस्बई-7 में स्थित है।

श्रन्मूची जैसा कि कम सं० ग्रई 1/37ईई/10438-85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्णन रेंग -1, बम्बई

दिनांक : 6-2-1987

THE PIECE OF THE COMMENTS

मायकर विश्विमयम, 1961 (1961 का 43) की भाग १२०-२ (1) भी अपनित्र अन्यका

**新聞報 科別歌**(4

शायांसय, सहायक आयकर आयुक्त (िरीहण)
 श्रर्जन रेंज -1वी, बस्बई
 बस्बई, दिनांक 6 फरवरी 1987

निदेश सं० ग्रई-1बी/37ईई/11773/85-86 ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम सिक परणात 'उक्त किथिनियम' बना नहीं की, की भारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विकास करते का कारण है कि स्थाबर सन्देशित, किएका जिल्ला - अप मृद्द 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, 2री मंजिल, शिरीन ग्रपार्ट-मेंटस, इमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, ताडदेव डिवीएन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रोर पूर्ण एप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा प्रायकर श्रधिनिएम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि नारी के वायिलय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-6-1986

को प्रविकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान अन्तरित की प्रतिकंस के लिए ald, बुओ विष्वास करने यह कि यथानुवाकित संपरित का उंचित बाजार मृल्य, उतके छरणमान प्रतिफल से, एसे-इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिया से की ब है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति ती किन्निया के बीच एसे अन्तरण के लिए मा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिस्ति तद्दास्य सं उक्त अन्तरण लिखित म तः ति । क्य नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के उत्तर में दायित्व में कभी करने या उसस बचने में गृतिया के लिए; और/या
- ानी किली जाग मा किसी पत्र या गला साहिए को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका आर-नियम, शा पनकर बाधीनथम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजना अन्ति शहे हुना शकर हों किया गया था या किया जाना चाहिए था जिला में सिर्धा के विकास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) ताडदेव प्रापर्टी प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) केनरा बैंक।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्याना भारते कारके पृथािक्स संपत्ति के अर्थन के विष कार्यमान्त्रों कारण गुरु

उक्त संपीति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्य े तामी है 30 दिन के अवधि, बारे भी ग्रवधि बाद में सभाषा होती हो, के भीतर पर्वाकत बाकित में के भीतर पर्वाकत बाकित में में किया क्यों कि इस स्व
- (क) इस सूचना के राजपम में पकाशन की तराक्ष न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्योक्त द्वारा क्वोहस्नाक्षरी के शब विवित में किए वा सकेंगे।

- श्यक्षिकरण: - इसमें प्रमुक्त कन्यों और पदों का, वां उर्वे वीशियम, के कियाय 20-द में परिभाषित हैं, बही वर्ष होता, के उस अध्याय में दिशा पटा हैं।

## श्रनुसूची

पलैट गं० 206, 2री मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, राडदेव डिवीजन, गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडदेव, कम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा की क्रम सं० श्रई-1/37ईई/10439/85-86 श्रीर जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रिजस्टर्ड किया गया।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रर्जन रें -1, बम्बई

दिनांक : 6-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फैरवरी, 1987

निर्देश सं० श्रई-1बी/37ईई/11774/85-86--श्रत: मुझे, निमार श्रहमद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

पलैट नं० 207, शिरीन भ्रपार्टमेंटस. भ्रौर जिसकी नं० दूसरी मंजिल इमारत नं० 1, सी० एस० नं ताडदेव डिविजन, गंगा जमुना सिनेमा क पास, बम्बई-7 में स्थित है(श्रीर इससे उपादद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम. की धारा 269 क, खं, के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे शृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए प्तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ताडदेव प्रापर्टीज प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) केनरा बैंक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अभूसूची

फलैंट नं० 207, 2री मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारत नं० 1, सी० एम० नं० 315, ताडदेव डिविजन, गंगा जमुना क्षिनेमा के तमने ताडदेव, जम्बई-7 में स्थित है श्रनुसूची जैमा की घ० सं० अई-1/37ईई/10440/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई झारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षणीं) ग्रजैन रेंज-1की, बम्बई

दिनांक: 6-2-1987

# प्रकृष भाई. ही. एन. एस. -----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1987

निर्देश सं० ग्रई-1बी/37 ईई/11776/85-86---ग्रत: मुक्के, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रुज से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंटनं० 307, 3री मजिल, शिरीन अपार्टमेंटस, इमारत नं० 1, सी० एम० नं० 315, ताडदेव-**डिविजन, गंगा जमुना** सिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित हैग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिपका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-2.69 क, ख, के श्रधीन सक्षम नियम 1961, की धारा प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-6-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उपित बाबार बूल्प, उत्सको ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल बौ वर्माद्व प्रतिचत से विभिक्ष हैं वर्षिर जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उत्यंदय से उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बकने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात :-- (1) ताडदेव प्रापर्टीज प्रायवेट लि॰।

(म्रन्तरक)

(2) केनरा बैंक।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

# उन्त दल्लीत के नर्बन के क्रम्बन्ध में कोई भी बाबोप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की स्विध, वां धी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्मिन्यों के हैं सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया

## वनुसूची

फलैंट नं० 307, 3री मंजिल, शिरीन अपार्टमेंटस, हमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, ताडदेव डिविजन, गंगा जमुता जिनेना के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ईई/10442/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽1वी,क्षम्बाई

दिनांक: 6-2-1987

मोहरः

प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फ़रवरी 1987

निदेश सं० श्रई-1बी/37ईई/11778/85-86---श्रतः

मुझे निसार अहमद जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ सेंट नं 507, 5वीं मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारत नं 1, सी एम नं,315 ताडदेव डिबिजन, गंगा जमुना भिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-6-1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकास के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ताखदेव प्रापर्टीज प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) केनरा बैंक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्यसा है।

# अनुसूची

फलैंट नं॰ सी॰ एम॰ 507, 5/बीं मंजिल, शिरीन प्रपार्ट-मेंटस, इमारत नं॰ 1, सी॰सी॰ 315, ताडदेव डिविजन, गंगा जमुना मिनेमा के सामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० स० श्रई-1/37ईई/10444/ 1985-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी. बम्बर्ध

दिनांक: 6-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निदेश सं० भ्रई-1/37ईई/11779/85-86----प्रतः मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 602, छठी मंजिल, शिरीन ध्रपार्टमेंटन, इमारत नं० 1, सी० एस० नं० 315, ताडवेव डिबिजन, गंगा जमुना िननेमा के भामने, ताडवेब, अम्बई—7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3—6—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) ताडदेव प्रापर्टीज प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) केन्नरा बैक।

(भ्रन्तरिती)

. को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फर्सैट नं० 602, छठी मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारत नं० 1 सी० एस० नं० 315, ताइदेव डिविजन, गंगा जमुना मिनेना के सामने, ताइदेव, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० स० अई-1बी/37ईई/10445/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1बी, बम्बई:

दिनांक 6-2-1987 मोहर: प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निदेश सं० श्रई-1बी/37ईई/11780/85-86--श्रत मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 603, 65ी मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारती नं० 1, सी० एस० नं० 315, डिविजन गंगा जमुना सिनेमा के सामने, ताडवेब, बम्बई-7 में स्थित है। श्रौर इसम उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 3-6-1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिल में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ताडदेव प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) कैनारा बैंक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिश के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थय्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फलैंट नं० 603, छठी मंजिल, शिरीन श्रपार्टमेंटस, इमारती नं० 1, मी० एस० नं० 315, ताइदेव डिविजन गंगा जमुना सिनेमा के मामने, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० नं० श्रई-1/37ईई/10446/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र) ग्रर्जन <sup>रेंज</sup>-1, ग्रम्बई

दिनांक: 6-2-1987

मोहर '

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) धर्जन रेंज-1, अम्बद्द

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० मई-1सी/37ईई/11748/85-86-मतः म्हो, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फलैट नं० 4-सी, भनंत निवास, पहली मंजिल पुरंदरे पार्क, 169, डा० अम्बेडकर रोड, वादर वी० टी०, बम्बई-14 में स्थित है। (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पुर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्त्री है, तारीख 3-6-1986

को प्वोंकत सम्परित को जिसत बाजार मूल्य से कम को ब्रह्ममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ब्रह्ममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच को एसे अन्तरण को लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ात: अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:--

(1) श्री जंयत संजीव राव बलजेकर और श्रीमती उदा जंयत बलजेकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान्नोद्र गुणवंत कडू और श्री प्रताप गुणवंत कडू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पाककरणः — इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

## **भ्रनुसू**ची

फ्लैट सं० 4-सी, अनंत निवास, 1ली मंजिल, तुरंदरे पार्क, 169, बा० अम्बेड हुए रोड, दावर बी० टी०, बम्बई-14 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसािक क॰सं॰भई-1बी/37ईई-10427/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1सी/बम्बर्ड

विनांक : 10-2-1987 मोहर: प्रकथ नाइ . जी. एत . एस . ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प (1) के मधीन स्थाना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० भई-1सी/37ईई/11803/85-86--भत. मुझे, ए० के० गुप्ता

शायकर विविधितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवाद 'ठव्छ अधिनियम' कहा वया हैं)., की भारा 269-च में नथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने ना करन है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका प्रविक्त वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० फलंट नं० 3, 5वी मंजिल, एज/1, बा० एकी नेसंट रोड, वरली, बम्बई—18 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपायद्ध झनुसूची में ग्रीर पुणं रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा झायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख, के झधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 16—6—86 की कुर्नेक्व सम्मरित के जीवत बाबार मुक्ब वे क्षम के स्वमाय इतिकाल के लिए क्यारित की वर्ष हैं और मुझे यह विकाल करवे का कार्य है कि वजावृत्तिक संपत्ति का खिल वावार भूक, उनके रक्षमान प्रतिकात की, एसे रक्षमान प्रतिकात का क्षम का क्षम का कार्य है कीर क्षम की तिकात का विकाल का कार्य है कि वजावृत्तिक संपत्ति का स्थान का स्थान का स्थान का स्थित का स्थान का प्रतिकात की की कार्य है कीर कार्य का कार्य का स्थान का स्थान

- (क) अन्तरण वे हुई जिली बाव को बाबत उक्त वॉथ-निवंत में बचीच कर दोने के बजारक की दाविस्त के कमी करने या उत्तर्ध बजने को मुविधा के निरंप, वीप/था
- (क) एंसी किभी बाद या किसी अन या अन्य कारिन्यमं की, चिन्ही भारतीय वायकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या अन- कर अधिनियमं, या अन- कर अधिनियमं, या अन- कर अधिनियमं, या अन- कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा ने किए;

बत. बब, उक्त बोधिनयम की धारा 269 व क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मितिकार व्यक्तियों, अर्थात् :---9-496GI/86

(1) केस्ट हाटेस्स लिं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सारगा ए० ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

भी यह स्थान वारी करके वृद्योंकत सम्पत्ति कं अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मील के कर्णन के राध्वरध में कोर्ड भी बाक्षंप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तरसवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विदिध बाद में समाप्त हाती हो, में भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-क्यूच किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी क्ष् पास चिकित में किए जा सकींगे।

त्यक्टीकरण.-- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भा उक्क विभिन्निम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा थें। उस अध्याय में देवक गया है।

**ान्**सू**यी** 

फलैंट नं० 3, जो 5वी मिषाल, एच/1, द्वा० ऐनगी बेसंट रोड, बरनी, अम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० स० श्रई-1/37ईई/10454/85-86 श्रीर जो सक्षम श्रिष्ठिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1986 की रजिस्टई किया गया ।

ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज~1मी, बस्बर्ध

विमाक 10-2-1987

## प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० मई-1सी/37ईई/11748/85-86--मतः मुझे, ए० के० गृष्ता,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फलैटनं० 4—सी, ग्रनंत निवास, पहली मंजिल पुरंदरे पार्क, 169, डा० ग्रम्बेडकर रोड, दादर वी० टी०, बम्बई—14 में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम की ग्रारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कामलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 3—6—1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ात: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण अं, में, उक्त अधिनियस को धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिकतयों, अर्थात्:---

(1) श्री जंयत संजीव राव बलजेकर भौर श्रीमती उषा जंयत बलजेकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान्नेद्र गुणवंत कडू श्रीर श्री प्रताप गुणवंत कडू।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 धिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

# **प्रमुस्**ची

फ्लैट सं ० 4-सी, धनंत निवास, 1ली मंजिल, तुरंदरे पार्क, 169, डा॰ भन्बेड कर रोड, दादर वी० टी०, वन्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क०सं०श्चई-1बी/37ईई-10427/ 85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई ष्ठारा दिनोक 3-6-1986 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1मी/बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

## मक्य बाइ. टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### बाह्रत बहुन्यन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृस्य 1,00,000/-सः. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लैट गं० 2, जो 5वी मंजिल, एच-1, डा० एनी बेसेट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पुर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजिस्ट्री है तारीख 16 सून, 1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है .—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाम में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ऋस्ट हॉटेस्स लि०।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू एन० गुप्ता ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जाभी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क वर्जन के लिए कार्यवाहिया शक करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण. — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उसे अन्याय के विया गया है।

## बन्स्ची

पलैट नं० 2, जो 5वीं मंजिल, एच-1, डा० एनी बेसैट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई०-1/37 ईई०/10455/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1986 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (मिरीक्षण) प्रजंग र्रेज-1सी, थम्बई

मारीख : 10-2-1987

## प्रकल बाही. हीं प्रमृत् प्रमृत्तानमान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भारा 269-प (1) वे वधीन व्यक्त

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1सी, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निर्वेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/11859/85-86—मत:, मुझे, ए० के० गुप्ता,

अभिकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर्ध इसमें इसमें परवात् 'उन्नर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अं के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. स अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैटन० 21 और 22, 2री मिजल, पाम स्प्रिग 248, प्रभादेकी, बम्बई—25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कल के स्वकाध प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे अह जिल्लाश करण का कारण है कि प्रभापनेक्ति सम्बद्धित का कारण है कि प्रभापनेक्ति सम्बद्धित का कारण के लिए अन्तरित का कारण है कि प्रभापनेक्ति सम्बद्धान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य सं उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जरैर/बा
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या अस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 4. वय-का मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सम्मणिती क्यार प्रकट महीं किया स्था या किया वाना वाहिए वा कियाने में सुविधा ओ विष्णा

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) रिजन्सी कन्स्ट्रेमशन प्रा० लिमिटेख ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गुल सेतपाल।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

डक्त शंपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप .---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंग वा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्चान की तानीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए वा वकिन।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका है।

#### मन्त्रची

फ्लैट न० 21 ग्रीर 22, 2सरी मंजिल, पाम स्थिग, 248 प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० धाई०-1/37 ईई०/10473/ 85-86 और जों सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1986 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंक-1सी, बस्बई

तारीख: 10-2-1987 °

प्रसम् नाइ . टी. एन., एस. -----

आयकार सभिगियस, 1961 (1961 का 43) कर्र भाष 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत चहनार

कार्यालय, सहायक मायकार नामुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1सी, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्रई०-1सी/37ईई०/11720/85-86---श्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता

नायकर मिरिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रथमत् 'उक्त मिरिनयम' कहा गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृत्य 1,00,000/- ए. से बिधक है

भौर जिसकी सं० यूनिट सं० 3, 2सरी मंजिल, प्रभादेवी इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, बी० एस० मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-35 में स्थित है (भार इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप स वर्णित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 जून, 1986

को पूर्वोक्स सम्मित्त को उपित बाबार भूक्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य.. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना जाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, मिस्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) मैं श्रारमान होल्डिंग्स लिए ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रम्बासूर क्लवेथिंग कस्पनी ।

(श्रन्तरिती)

को **शह सूचना चारी करके प्**र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ए कार्यवाहिमां **करता ह**ूं!

नका महायशि के अर्थन के सर्वाध में कार्य भी आक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविधि या तत्यम्बन्धा व्यक्तियों ६. सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंका यत्रितयों में से किमी व्यक्ति व्यासः;
- (क) इस सूचना के प्राजयन में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष्म किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

न्यस्त्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उबसे विभिनियम् के वश्याय 20-क में परिभाषिठ ंहीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ही।

# अनुसूची

यूनिट नं० 3, 2सरी मंजिल, प्रभावेबी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बी० एस० मार्ग, प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कम सं० अई०-1/37 ईई०/10424/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा बिनाक 2 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुण्ला मक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1मी, बम्बई

मारीख · 10~2-1987

प्रकृप आई. टी. एन . एवं . ------

शाधकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के स्थीन सुमना भारत सरकार

कार्यांसय. सहायक नायकर आयुक्त (गिरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1सी, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश र्सं ॰ प्रर्दः - 1सी/37 ईई ॰/11802/85-96--- प्रतः

मुझे, ए० के० गुप्ता,

भायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रार सिकी मं० प्लाट नं० एच/1, डा० ग्रनी बेसेंट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 289 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वेक्ति सम्बंधि के उषित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और पुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकः) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) शिराण से हुक्त किसी आन की नावत, उनत आधि-नियम के नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में समी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियम वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंसरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए

सतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिसिस स्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मै० केस्ट होटल्स नि०।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मनिल कुमार प्रमानाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति को मर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की ताराच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य क्यंक्ति वृवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकाँगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि तियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, इसी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

प्लाट मं० एच-1, डा० एनी बेसेंट रोड, वरली, बम्ब $\xi$ -18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10453/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 16 जुन, 1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1सी, बस्बर्ध

तारीख: 10-2-1987

ब्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज, 1-सी बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फ़रवरी 1987

निदेश सं० म्रई 37ईई/11805/86-87--यतः मुझे, ए० के०. गुप्ता,

अगयकर अधिनिषद्र, 3961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह तिरुगस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट सं० 1 5वी मं जिल प्लांट सं० एच/1 डा० ग्राली वेझंट रोड़ बरली बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रानसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख ग्रधीन बम्बई थ्यित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यित वाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रसिक्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार खूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) बंतरण से धुद्द फिसी बाय की बाबत, डक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बाबिस्त में कभी करने या उससे बचने में स्विध के लिए: बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी लाए या किसी धन का दाय जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ार, को 27 को 27 को प्राथम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंथ गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

अत: अत, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) मै० केस्ट होटल्स लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरेंन्द्र पाल गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## बक्त बन्धित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप फ़्ल्य-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

फ्लैंट नं० 1, जो 5वीं मंजिल, प्लाट नं० एच-1, डा० एनी बेशंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुचर्ची जैसा कि कम सं० ग्रई०-137|ईई|1045685-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1सी, बस्बई

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्स (निरीप्रण) श्रर्जन रेंज-1; अम्बई

वम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० ग्रई०-1 सी/37 ईई/11872/85-86--- ग्रन: मुझने, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धर्मान स्थाम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि ल्गापर अपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

। 00,000/- रु. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 48 ई−2, वीनस ग्रपार्टमेंट्स, वरली-सी फेस, बम्बई-40001के में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसक करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क ख श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीखा 1 जून, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार म्रस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंसरक (अन्तरकों) और अन्सरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिफल निम्नलिखित उपवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी फिसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निधिधा के लिए।

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , भे, उक्त अधिनियम की भाग 269-प की उपभाग (1) क अधीन, जिम्निनिसित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) श्रीवी०एच० वी०राव (

(म्रन्तरक)

(2) श्री श्याम गिरंधारी दास पंाबी।

(ग्रम्तरिती)

की वह सुचना कारी करके पृथींक्त सम्मरित की वर्षन के कार्यवाहियां महत्ता हो।

करत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जातींग

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधि या तत्स्रम्बर्भी श्र्यक्तियाँ 98 स्चना की तामीस से 30 बिन की वर्गाप, वो वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेवत व्यक्तियों में सं मिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक सुचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकार :--- ६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

48-ई-2, वीनस प्रपार्टमेंट्स, बरली सी-फेस, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुचरी जैसा कि कम सं० अई०-1सी/37 ईई 10474 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधकारी भायकर भ्रायक्त (निरीक्षक) सहायक श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

तारी**ख** : 10-2-1987

प्ररूप आई. टी. एनं. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निवेश सं० म्रई०-1सी/37 ईई 11865/85-86- म्रत:, मुझे, ए० के० गुप्ता,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 72 (दक्षिण), वावर मांटुंगा इस्टेट श्राफ दि कारपोरेशन, नया सर्वे नं० 1152 (ग्रंश 1), सी० एस० नं० 70/10 बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं गिकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अर्थं, उक्तं अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिग्तियों, अर्थात् :---10 —496GI/86

- (1) श्रीमती इन्डिरा सदाणिव कोतवाल श्रौर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) मैं० निरगुडकर कन्स्ट्रनशन प्राद्देवट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 72, (दक्षिण), दावर मांटुंगा इस्टेट आप दि कारपोरेशन, नया सबे नं० 152 (श्रंश-1), सी० एस० नं० 70/10, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-137 ईई/10475/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 जून, 1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (i) के अपीन स्वमः

#### बार्क दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/34786/85-86—ग्रतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसकें इसकें प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का बारक हैं कि स्थावर संस्थित, विश्वका उचित बाधार अस्व 1.00,000/~ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-4, सिल्वर क्वीन, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पुणे रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है तारीख 19 जून, 1986

को प्वॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को उश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें एश्यमान प्रतिफल ना उचित बाजार क्ष्यह प्रतिकत से विभिक्त है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे बन्तरिण के सिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- किंद्री समाह्रण से हुए किसी बाध की राजध उक्त विधिनयम के अधीय कर रोगे के कम्लरक के क्षियस्य में कमी कर्म का समन अभने में सुलिका के भिए: मेंक्र/ग्रा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भक्तः सम, उक्त अभिनियम की धारा 269-1 की अन्तरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिधित स्वितस्यों, अधित् :--- (1) श्री रमेश जे० भटट श्रौर श्रीमती रशिला श्रार० भट्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष चोपडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्ज्जिकियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकिंगें।

स्थक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

फ्लैट नं० बी-4, जो पहली मंजिल सिल्वर क्वीन को०-भापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, एल० जे० रोड, नं० 2, माहीम, बम्बई-400016 स्थित है।

. धनुसूची जैसा जि कि० सं० प्रई०-2 37 ईई/34786/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

# प्रकृप जाई. दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रा. से निधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट न० 1, उद्योग मन्दिर नं० 1, 7-सी पितांबर लेन, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन तारीख 23 जून, 1986

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, ससके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से झुइ किसी आय की बावत उकत अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

भतः संव उक्त निधिनियम की भारा 269-ए के अनुसर्ण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की खपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनुभाई बाबुभाई पटल।

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स प्राफसट भ्रवार्ड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैसर्स प्रशोक पैकेजिंग। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ड क्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

यूनिट नं० 1, उद्योग मर्न्दिर न० 1, उद्योग मन्दिर प्रियासिसेम को० श्रापरेटिव सोसाइटी लि०, 7-सी, पिताम्बर लेन, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्राई॰-1-सं/37 ईई 34934 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रिजस्टई किया गया है।

> ए० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 सी, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

प्ररूप बाई, टी. एन, एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1987

निदेश सं० श्रई०-2सी/37ईई०/34809/85-86--श्रतः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

अधिकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,

1,00,000//- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव पलेट नंव 72, कईया पार्क, जुहू, बम्बई
में स्थित हैं (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से
बिणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है तारीख 20 जून, 1986
को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई हैं और मुक्ते यह विष्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/पा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अन्सरण में, मैं, उक्तत अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, क्रिम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:—

(1) मै० जुड़ स्टेट कारपोरेशन।

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्स गुरू इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विशन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्ची

पलैंट नं० 72, जो सातवीं मंजिल, रूईया पार्क, सी विंग, सर्वे नं० 47, जुहू, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्राई०--2/37 ईई०/34809/ 85--86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 जुन, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-2, बम्बई

्तारीखः : 11-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1987

निर्देश सं० प्रई-22मो/37 ईई/34513/85-86--श्रतः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे एसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तीसरी मंजिल, पर फ्लैंट शिशिर जुहू तारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिलका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6 जुन, 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) हा (श्रीमती) सुधा दौलत रामचन्दागी श्रौर श्री दौलत हीरानन्द रामचन्दानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय मेहता श्रांर श्रीमती प्रिया मेहता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उक्त सम्वत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में बाई" भी बाखेंच ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थायर ग्रन्पत्ति में द्विषश्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी कें
  पास लिक्ति में किए जा सकीगें।

हपष्टिकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के सध्याय 2:- क मे परिभाषिक हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

तीसरी मंजिल पर फ्लैंट जो शिशार 15-ए, जुहू तारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-2/37 ईई०/ 34513/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० वी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

तारीख : 11-2-1987

# प्रकल बाई .टी.एन.एस. अस्तरास्थानम्यास्थ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

### भारम सरम्बद

कार्याखय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1987

निदश स० म्रई०--22सी/37 ईई-134803/85--86---भ्रतः मुझे, बी० बी० गुप्ता,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके परकात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. स अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 750, 750 (1 से 7) विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रगुमूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 20 जून, 1986

को पृत्रंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कन के दृश्यकाल ट्रीफिन के लिए अतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वात अरमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आहु इंतरित्ती (अंतरितियाँ) से बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया बबा प्रतिफस, निम्नतिवित उद्ववेष से उक्त अन्तरण सिवित् वे अस्तिविक कन से कांचित नहीं किया बचा है है—

- (क) अन्तरण ने हुन किनी भाग की शावत, सकत अभिनिधन के भंगीन कर राज के भग्नरण क राधित्य मो कभी भारते मा उसस भवारे मी सुन्धिक के लिए, भार/या
- (स्प) एंसी किसी आय या किसी व्या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय सायकर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री झरिबन्द ए० परव, श्री मनोहर परव, श्री बालकृष्ण ए० परब, श्री सुरेश परब ग्रीर श्री सुरेण परब,

(भ्रन्तरक)

(2) मैं व बाल एन्टर प्रायसेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, वो भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी लोकित दकारा,
- (च) इत स्थान के -राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के नीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में दिए जा सकोंगे।

क्षाव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त काधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित ही कही अर्थ होना थो। उस अध्याय में दिया गया।

# बन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी०एस० नं० 750, 750 (1 से 7), सुभाष रोड, बिले पार्ले (पु०) बम्बई-- 400057 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्चई०-2/37 ईई०/34803/ 85-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 20 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-22 सीकृ बम्बई

तारीख: 11-2-1987

प्रकृप काहाँ, टी. एत. एव. ----

आधानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### नारत प्रस्कार

# कार्यायम, बहार्क मानकार मानुस्य (निर्देशकर्ष

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1987

निर्देण सं० ग्रई०-2म/37 ईई०/34704/85-86--म्रतः, मुझे, बी० बी० गुप्ता,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इनके परवात् स्वतः विधिनियमं कहा गया ही), की चारा 269-क के वधीन वक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारक है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से बाधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 710, जल दर्शन, जुहू, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिष्ठिनियम, की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के समझ प्रतिशत से बिश्व है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) भे बीच एसे अन्तरण भे निए सब बाया गया एडिए जा, जिम्निशिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि निए स्व

- (क) भेरारण वे हुए जिन्दी जान की नावत, जनस निर्धानयम के नधीन कर दोने के सन्तरक वे दासित्व में कभी अरुने या जसरों मजने मो सुनिधा के निस्तर; शर्र / हा
- (ख) एँसी किसी जाब या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रवाधनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया प्रवा या या विषया काना पाढ़िए था, छिपान की मुक्तिया के लिए;

े वजः वच, बच्च विभिन्नियम की भारा 269-व वी वक्षकृत्यम् मे, में, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-व की वयभारा (1) संबंधीन, विरामितिक्षा व्यावसानी, वार्थात् हेन्स्स (1) मैसर्स एम० म्रार० कंबाइन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजू कंढारी, श्रीमती वीना बी० कंढारी, श्रीमती किरन एच० कंढारी, मास्टर मनोज कंढारी श्रीर श्री हरेश कंढारी।

(मन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्धन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वमा के रावपण में प्रकाशन की तारिव के 45 दिन की जबकि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन कि अवधि, जो औं व्यक्तियों में से रिजनी व्यक्तिय दवार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी बन्य स्थित इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निकास में किए आ सक्तें।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, को जबक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राधित इंग, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में विमा गया इंग

#### वम्स्यी

पर्लंट नं० 710, तेरेम के साथ, जल दर्शन एस० नं० 44, एच० नं० 1 (पार्ट), 2 (पार्ट), रूईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-2/37 ईई०/34704/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 11-2-1987

प्रक्य बार्ड , टी , एन , एस , अन्यतन्त्रान्त्रात्रा

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वभीन सुचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1987

निदश सं० ग्राई०-2सी/37 ईई०/34770/85-86-श्रत:, मुझे, वी बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूकव 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, नवयुग बिल्डिंग विले पालें, (प), बम्बई-56 में स्थित हैं (भीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19 जून, 1986

को धूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार भूल्य , उसके स्वयंगान प्रतिफल से , एसे सम्मान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरम के निए तब वाबा वृद्या प्रतिकल का का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) को वाच प्रतिकल का का प्रतिक्रम के निए तब वाबा वृद्या प्रतिकल का का प्रतिक्रम के बाव का प्रतिकल का का प्रतिक्रम के बाव का प्रतिकल का का प्रतिक्रम के बाव का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिक्रम का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का का प्रतिकल का प

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किशोर रमनलाल शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स कला निकेतन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि से अर्थन में दिख कार्यवाहियां कुरू करता हुई ।

# उन्ह सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकर्ति।

स्थलित्यः - इसमें प्रयुक्त बन्धें बीठ पर्यो का, को अन्तर वीधनियम के अध्याय 20 के वो परिमाणिक ही, वहीं अर्थ होगा जरे उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पर्लैट नं 5, जो दूसरी मंजिल पार्किंग स्पेस के साथ, नवयुग बिल्डिंग जुहू, विले पार्ले डेबलपमेंट स्कीम, बी० एम० रोड, विले, पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूणी जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/34770/ 85-86 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 11-2-1987

ारूप **माइं.टी.ए**न.एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, सम्बई

क्षम्बई दिनांक 11 फरवरी 1987 निदेश सं० प्रई०-2सी/37 ईई०/35024/85-86--- अत: मुझे बी० बी गुला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लट नं० ए-32 जुहू सन एन० सी० साताकृज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के निए जन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का यंद्रह श्रीतज्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ह अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को रूपए; बरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या सन्य कारिस्टर्श का, जिन्ही भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुन्धित के लिए;

अतः अतः अकतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अधीतः :— :11—496GI/86

(1) श्री चमन सिंह जबान सिंह सोलंकी । (भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शिरीन हकीम साकर वाला श्रौर श्री हकीम बदणधीन साकरवाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के संबंध में कोई श्रीआक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध या तत्संबधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी विविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उधत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्सूची

पलैट नं ० ए-32, जो तीसरी मंजिल, जुहू सन एन सी भ्रपार्टमेंट्, प्लाट नं 33बी, जुहू तारा रोड साताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ऋई०-2/37 ईई०/35024/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 27 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता समक्ष प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-2, बस्बई

तारीख : 11-2-1987

# प्रकल कार्यः, टी., एस. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याजया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई विनांक 11 फरवरी 1987

निवेश सं० भ्रई०-2सी/37 ईई०/34367/85-86--- म्रतः मुझे, वी बी० गुप्ता,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट तं० 742, सर्वे तं० 217, एच० नं० 2, पोस्ट विले पालें (प), बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायीलय में रजिस्ट्री है तारीख 2 जुन, 1986

को पूर्वे क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमांन प्रक्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास अर्थ का कारण है कि यथायुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिक्रल से एसे अयमान प्रतिक्रल का पंच्रह प्रतिस्ति से विभिक्ष है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण में लिए तय बाया गया प्रतिस्त्रल निम्निवित्ति स्वृद्धिय से स्वत्त अन्तरण जिविता में वास्त्रविक क्यं से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आवा की बाबवा, उनके नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने के सुविधा के क्षिण्डा और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धम या नन्य जास्तियों को चिन्हीं भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धमकर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात क्रिक्त (1) म॰ भागीरणी साफल्य को॰ भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ ।

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स इला डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से जिल्ही व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया निया है।

### **अ**न्स्**यी**

फ्लैट नं० 742, सर्वे नं० 217, एच० एन० 2, विले पार्से (प), बम्बई-56 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कम सं० ,ग्रई-2/37ईई/34367/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायहुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बस्बई

सम्बर्ड, दिनांक 11 फरवरी 1987 निदेश मं० ग्रर्ड-2मी/37ईई/34535/85-86—ग्रतः मुझे वि० बी० गुप्ता,

बावकर विश्विषय, 1961 (1961 का 43) (विसे इतवे इक्के परवात 'उक्त विश्विषय' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्फैंट नं० 301, जिच हवेंन 2 को० ग्राप० हाउ० सोसा० लि०, जुट्ट नारण्ड रोड, जुट्ट, जम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, जम्बबर्ड मे रजीस्ट्टी है तारीख 6-6-1986

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाबार बृस्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का जायित बाबार प्रकृत उदके ज्यमान प्रतिफल से, एसे ज्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण व ूर्ड विश्वी नाथ की बावत न करत वीधनियम के बधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा की लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किमिनयम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सुविधा के सिवधा के

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, म, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीत, निम्नसिंसिक व्यक्तियाँ, क्योंत धू—र (1) रमेश लक्षमीनाराबण चौधरी।

(प्रन्तरक)

- (2) हसा किशोर चन्द्र मंकालिया, किशोर चन्द्र मनूभाई मंकालिया ग्रौर निले किशोरचन्द्र मंकालिया। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग मे सम्पक्ति है )

(4) विजये लब्मीनारायण चौधरी ग्रीर श्रणोक लक्ष्मीनारायण चौधरी ।

> (बह ध्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी ानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत त्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याद्या;
- (च) इत सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंगरा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किसे का क्केंगे।

म्पंच्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उस कृष्याय में विभा क्या हैं।

### अनुसूची

फ्लेट नं॰ 301, 3री मंजिल, बिच हवन 2 की-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, जुह नारा रोड, जुह, बम्बई-54 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा की कि सं० श्रर्ड-2/37ईई/34535/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

,वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 11-2-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई 🚓
बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1987

निदेश सं श्राई०-2/37 ईई0/34516/85-86—श्रतः मुझे, वी० बी गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 71-बी, रूईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिविनयम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 6 जून, 1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके छ्रयमान प्रतिफल से ऐसे छ्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाश गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेससं जुह इस्टेट कार्पीरेशन।

(मन्तरक)

(2) श्री सी० माकिस, श्रीमती पी० माकिस ग्रीर श्रीसी० एक्स माकिस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकांशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासे । लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यतं सची

पलैट नं ० 71, 7वीं मंजिल, रूईया पार्क, सर्वे नं ० 47, जह, सम्बर्ध में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं आई०-2/37 ईई०/34516/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-2-1987

# प्रकृष बाहु . टी . एन् . एस . ......

# लायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के लिपीन स्थान

#### भारत तरकात

# कार्यांत्रक, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1987

निदेश सं भ्राई०-2/37 ईई०/34604/85-86--- भ्रतः मुक्को, बी० बी० गुप्ता

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'लक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, भरत जुहू को स्नापरेटिव हाउमिंग सोसाइटी लि० गांधी ग्राम रोड, जुहू, बम्बई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्नीर पुर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा स्नायकर स्निधित्यम, की धारा 269 क ख के स्नधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12 जुन, 1986

को प्रोंचित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम की स्वयमान प्रितिफल को लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिमात से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को भीच एसे अन्तरण को लिए त्य पाया गया प्रतिफ का, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिवित में बास्य-विक क्य से कार्यक नहीं किया बचा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक वै वरियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट: और/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के। 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट महीं किया नयर या या किया आना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बीना मोहन भीर श्रीमती सुशील एस० श्रींगी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कधुश्री ए० केज रीबाल।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचिमा जारी करके पृथानित सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता होंगू।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की ताशीक से 30 दिन की बनिध, को भी बनिध योद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में ध्रकाक्षत्र की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट विकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### अग्लुची

फ्लैंट नं 302, भरत जुहू को आपरेटिव हाउसिंग मोसाइटी लिं , गांधी पाम रोड, जुहू, बम्बई—49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ग्रम सं० आई०-2/37 ईई०/34604/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 जुन, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यजैंन रैंज-2, बम्बई

नारीख : 11-2-1987

# प्रकार बार्ड . टी हु एक . स्व हुन्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 11 फरवरी 1987 निदेश सं० धाई०-2/37 ईई०/34465/84-86--म्रतः मुझे, वि० बी० गुप्ता

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उनत की विधिनियम' कहा गवा ही), की नारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से विधिक ही

स्रौर जिसकी सं० पलंट नं० 211, जल दर्शन, 18 बाई, जभीन जिसका सर्वे नं० 44, रूईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिशस्ट्री है तारीख 5 जून, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति से उचित नावाय बूज्य सं कम से वदमान प्रतिक्रम के निष् अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यका पूर्वोक्त सरम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके बद्यमान प्रतिक्रम सं, एसे अन्यमान प्रतिक्रम का पत्त्रह प्रतिकृत से जिपक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गांवा प्रतिकृत निम्निजितिस उद्वोदय से अक्त जन्तरण निवित् के वास्तविक कम से अनिक नहीं गांवा वका है क्ष---

- (क) कम्तरण ते हुई जिल्ली नाम की शावता, अक्त अधिनियम के नधीम कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरीह ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स मिस्टर कंबाइन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमल महाजन।

(ग्र तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनन सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन की नजीभ या सत्संत्री व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनीभ, को भी नजीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवॉक्स व्यक्तियों में में किसी करिक्त तुनाराः
- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव को भीतर उक्त स्थावद सम्पत्ति में दिश्वपूर्व किसी कम्य व्यक्ति द्वार , वभोद्दस्ताक्षरी के वाद सिवित में किस वा क्केंपे:

ज्यास्त्रीकारण: ---- इसमी प्रयुक्त किन्दी कीर पदी का, का अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाकित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याम मी विका का ही।

#### मन सची

पलट नं० 211, जो दर्शन 18 लाव भूमि जिसका सर्वे नं० 44, एव नं० 1 (श्रंश) श्रौर 2 (श्रंश), रूईया पार्क, जुड़, बम्बर्डमें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-2/37 ईई०/34465/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िष्ठ बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा : 11-2-1987

प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 फरवरी 1987

निवेश सं श्राई०-2/37 ईई०/34369/85-86--श्रतः मुक्षे, वि० बी० गुप्ता

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पलेंट नं० 33-ए, 3सरी मंजिल, रूईया पार्क, सर्वे नं० 47, जुहू, वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मे धाँर पूर्ण रूप मे वर्णित है), धौर जिसका करार—नामा श्रायकर श्रधिनियम, 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, धम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2ज्न, 1986

करें पृतिकत सम्मित के उचित बाबार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्तिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसकं दृश्यमान प्रतिकल से, एहें दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल्लिस उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

मतः नम, उक्त निर्मित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपभाराः(1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स जुहू इस्टेट कापौरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गोल्डन द्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, को भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यव्योकरणः — हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अन्**स्ची

फ्लैंट नं 33-एं, 3री मंजिल, रूईवा पार्क, इसारत, सर्वे नं० 47, जुहू, बस्वर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं श्राई०-2/37 ईई०/34369/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में द्वारा दिनांक 2 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता सक्षम प्राधि कारी महायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

नारी**ख** : 11-2-1987

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi, the 28th November 1986

No. P/132-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri M. P. Jain-I, a permanent Grade I officer of C.S.S. working as under Secretary, in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th November, 1986.

M. P. JAIN-II Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

# FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 20th February 1987

No. A-11/15/75.—Director of Enforcement hereby appoints Shri B. R. Sharma in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer on ad hoc basis for a period of six months in Bombay Zonal Office of this Directorate with effect from 5-2-1987 (F.N.).

KALI CHARAN Chief Enforcement Officer (Admn.)

#### MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIN

# (DEPTT. OF PERSONNEL AND TRG.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 16th February 1987

No. A-19036/27/78-AD.V.—On his repatriation from Kudal Commission of Inquiry on Gandhi Peace Foundation and Other Organisations, Shri Vidhya Bhushan, Dy. Sugdt. of Police/CBI has been taken on the strength of CBI in the same capacity with effect from the forenoon of 2nd February, 1987 and has been posted to S.I.C.

No. A-19015/23/84-AD.V.—The services of Shri Jasbir Singh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Himachal Pradesh State Police were placed at the disposal of Himachal Pradesh Govt. with effect from 6th January, 1987 afternoon, on repatriation.

No. 3/1/87-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Meena, IPS (Orissa, 1977) as Superintendent of Police, on deputation basis, in the Central Burcau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 10th February, 1987 and until further orders.

#### The 20th February 1987

No. A-20023/4/83-AD.V.—The services of Shri N. K. Satyadas, Police Prosecutor working as Senior Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation/GOW/Bombay on deputation, are placed at the disposal of the Commission of Police, Greater Bombay, on repatriation w.e.f. 2-2-87.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 19th February 1987

No. 18/14/86-Admu.II.—Shri Daya Want Singh Loomba. Dy. S. P. from HAP, Junga (District Shimla), Himachal Pradesh is appointed as Deputy Superintendent of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Chandigarh with effect from 11-12-1986 (F.N) for a period of one year in the first instance.

R. S. SAHAYE Dy. Director

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110 003, the 17th February 1987

No. O.II-2347/87-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Arvind Kumar Pushkar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th November, 1986 till further orders.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt.)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 19th February 1987

No. E.32015(4)/1/87-Pers.I/15.—President is pleased to appoint the following Inspectors (Exe), on promotion as Assistant Commandant in CISF with effect from the date mentioned against each on purely ad hoc basis and temperary upto 18th August, 1987 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

Sr. Name of officer			Date of assumption of charge as Asstt. Comdt. (Ad-hoc)	CISF Unit/Office		
S/Shri						
1. S. Abdul Nac	em	•		CISF HQrs (Fire) New Delhi		
2. S. N. Singh	•	٠	6-2-87 (F.N.)	RSP Rourkela		
3. S. Sridharan	•		6-2-87 (F.N.)	BCCL Jhari a		

No. E-32015(4)/1/87.Pers.I./16.—President is pleased to revert Shri K. K. Nirangan Assistant Commandant (Ad-hoc) CISF Unit, FBP Farakka to the rank of Inspector/Executive with effect from the afternoon of 31st January, 1987. On reversion as Inspector/executive he has been posted to CISF Unit, BCCL Jharia.

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/17.—President is pleased to appoint Shri S. Singh, on promotion as Assistant Commandant on regular basis in CISF Unit, BSL Bokaro with effect from the forenoon of 22nd January, 1987.

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/18.—President is pleased to revert Shri R. C. Prasad, Assistant Commandant (Ad-hoc) CISF Unit, BCCL Jharia to the rank of Inspector/Executive with effect from the afternoon of 30th January, 1987. On reversion as Inspector/Executive he has been posted to CISF Unit, BSL Bokaro.

Sd/-ILLEGIBLE Director General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 20th February 1987

No. 11/5/87-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Chandan Gopal Indian Administrative Service (UP: SCS: 1977), as Director of Census Operations in the Directorate of Census Operations Uttar Pradesh, Lucknow, with effect from the forenoon of the 9th February, 1987 for a period of wto years or until further orders which ever is earlier.

1975 dannyami milijatskampuna 1886. 1 ajanta ja kapangung ia and akadakaka kapun 10 kin 4 kab 4 kabu 1982 ori 1886 ori 1

The headquarters of Shri Chandan Gopal will be at Luck-

V. S. VERMA Registrar General, India

## INDIAN AUDITS AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 18th February 1987

No. 415 CA.I/56-71.—On his attaining the age of superannuation Shri B. K. Govil. Audit Officer (Commercial) working in the office of the Director of Audit (Food) New Delhi has retired from service with effect from 31-1-1987.

> D. N. ANAND Assit Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 23rd February 1987

No Admn.I/O.O. No. 295 .- The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Gorakh Nath Sharma, a permanent S.O. (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500 (Revised scale) with effect from the forenoon of 20th February, 1987 until further orders

Sd/-ILLEGIBLE Dy Dir of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I, WEST BENGAL

Calcuttra-700 001, the 13th February 1987

Admn.I/Promotion-93/AAO,3092.-No. tant General (Audit) I. West Bengal, has been pleased to appoint Shri Rabindra Kumai Roy II Section Officer (Audit) to officiate as Assistant Audit Officer (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs 2000-60-2300-FB-75-3200/-) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 30th January. 1987. capacity with

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Pet-tion now pending before the Hon'ble Central Administrative Tribunal. Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of the G.I.M.F. O.M date 26-9-1981 tor either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under FR 22-C from the date of next increment in lower post or under FR 22-C on the date of promotion straightwav.

Sr. Dy. Accountant General (Admn)

## MINISTRY OF LABOUR & RFHABILITATION (LABOUR DEPARTMENT) (LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 6th March 1987

No. 5/1/87-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960—100 remained stationary at 688 (Six Hundred Eighty Eight) for the month of January, 1987 converted to Base: 1949—100-the index for the month of January, 1987 works out to 836 (Eight Hundred Thirty Six).

D. CHAUDHURI Assistant Director Labour Bureau. Shimla-171 004

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIFS)

New Delhi, the 17th November 1986

A-31013(53)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint 12-496GI/86

the following officers to the post of Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management Training) in the Small Indus-Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each :-

S´No. Name of the Officer					Date from which appointed in a sub- stantive capacity	
S/Shrı				************		
1. K.T. Sambandan	า					31-12-1985
2. B.M. Sharma						. 31-12-1985
3. V. Sardana						31-12-1985
4 J.S. Sidhu						31-12-1985
5. Swadesh Kumar						31-12-1985

#### The 10th December 1986

No A-31013(23) /85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Deputy Director (Glass/Ceramics) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the date indicated against each :-

S No. Name of the Officer					Date from which appointed in a sub- stantive capacity	
S/Shri	and the second s					and an agreement representative and any distribution of the comments.
1. C.G	. Agarwal					
2 Sam1	ou Nath Banerje	e				31-12-1985
3. P.D.	Mayee .					31-12-1985
4. B.S	Govinda Rao					31-12-1985
5. L.T.I	P. Sinha	-				31-12-1985
6 S. K	Wadhwani '					. 31-12-1985

C. C ROY Dy. Director (Admn.)

### MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi 3, the 18th February 1987

No. A 32013 (Met. Gr. 11/8/85-E.I.--The President has been pleased to appoint undermentioned Meteorologist Grade II/Assistant Meteorologist to officiate as Meteorologist Grade I in India Meteorological Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders :--

S. No.	Name	Date from which officiating as Meteorologist Grade I.
1	2	3
2 Shri N 3, Shri N 4 Shri N 5, Shri N	Mrs.) Z.N. Begum M.H. Prasad C.K. Kankane Prabodh Kumar Tain J. K. Bhatia C. P. Hazra	22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986 22-9-1986

1	2			3
7. Shri	G C. Haldar	•		22-9-1986
8. Shri	Arjan Dev			22-9-1986
9. Shri	K.C. Sinha Ray			22-9-1986
10. Shri	K. Jayaraman			18-12-1986
11. Shri	A.K. De .	٠.		22-9-1986
12, S'ıri	S.C. Gunta			22-9-1986
13. Dr.	S.S. Bhandari			22 <b>-</b> 9-1986
14. Dr.	V. Subramanyam			22-9-1986
15. Shri	S. Senapati			22-9-1986
16. Dr.	R. V Sharma			22-9-1986
17. Shri	M.D Kundra			13-11-1986
18. Shri	R. H. Walde			22-9-1986
19. Dr.	T.A. Khan .			13-10-1986
20. Shri	Xess Anthony		, .	3-11-1986
21. Shri	G. K. Kapoor			22-9-1986
22 Shr	A. K. Scn			22-9-1986
23. Shr	R C. Dubey			22-9-1986
24. Shr	D S. Desai			22-9-1986
25. Shr	B. C. Pawar			22-9-1986

Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores)

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th February 1987

No 6-17/85-DC.—On the recommendation of the Depertmental Promotion Committee, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. K. Sen Gupta, Research Assistant, (Bio-Chemistry) in Central Drugs I aboratory Calcutta to the post of Technical Officer (Bio-Chemistry) Group 'B' Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35 810-FB-880-40-1000-FB-40-1200/- (Pre revised scale) in the same Laboratory, in a temporary capacity until further orders.

Shri P K Sen Gupta assumed the charge of the post of Technical Officer (Bio-Chemistry) in the Central Drugs I aboratory, Calcutta on the 17th November, 1986 (F.N.)

MATU RAM
Dy. Director Admn. (D)
for Director General of Health Services

# (M. H. SECTION)

New Delhi, the 23rd December 1986

No A-12026/26/85-MH—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Ashok Chakraharty, Section Officer in the Denartment of Mines (Ministry of Steel & Mines), New Delhi to the nost of Administrative Officer at Dr Ram Monohar Lohia Hosnial, New Delhi vith effect from 1st October, 1986 (F.N.) on deputation basis for a period of one year.

Dy. Director Admn (CGHS-I)

#### New Delhi the 9th February 1987

No A-31013/1/86-Admn I—The President is pleased to appoint Smt Debi Mukheriee to the post of Assistant Secretary (PFA) in the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the 1st January 1985

P. K GHAI Dv. Director Admn (C & B)

# MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN. DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 12th February 1987

No 2 1/85-Estt (I).—On the recommendation of Union Public Service Commission, Dr. D B. Singh, a permanent Touring Veterinary Officer of the Department of Animal Husbandry. Government of Bihar is appointed as Assistant Livestock Officer in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500, on transfer basis with effect from 1st January, 1987 (forenoon) and until further orders.

R. G. BANERJEE Director of Admn.

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIFFCTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 18th February 1987

No. A-31014/1/86-A.I.—Shri R. Ravindranath is hereby appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from 23-7-1986.

The lien of Shri Ravindranath, if any stands terminated with effect from the date of his substantive appointment to the post.

ANITA CHOUDHARY Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 13th December 1986

No NFC/PAR/0703/2288.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G N. Khedkar, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 24-11-1986 to 24-12-1986 or until further orders.

No NFC/PAR/0703/2289.—Further to this office notification No NFC/PAR/0703/1965 dated November 7, 1986, the appointment of Shri N Bharathan Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs 2000-60-2300-FB-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 5-1-1987 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager. Personnel & Admn.

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS Vadodara, the 10th February 1987

No 3/87.—Shri M. A. Kadir Superintendent of Gentral Freise & Customs (Group 'B'), Division-IV Baroda on attaining the age of 58 years on 26-1-1987. is retired on superannuation, in 6th afternoon of 31-1-1987.

Collector of Central Excise & Customs,

mang game a manga manga m

# DIRECTORATE GENERAL TO INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th February 1987

No 2/87—Shri O N Duggal lately nosted as Superintendent of Central Excise, Group 'B' of the Central Excise Collectorate, Mearut, on his appointment as Inspecting Officer Group 'B' vide 'his Directorate General Order C No 1041/47/84-NRU dated 23-10-1986 assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the North Regional Unit of this Directorate General of Inspection (Customs & Central Excise) at Ghaziabad with effect from 13-1-1987 (afternoon).

H M SINGH Dir, Genl. of Inspection

# MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and M/s. Madhya Pradesh Hybird Seeds Company Private Limited

Gwalior-474009, the 18th February 1987

No. 1610/Liqn/CP/1626.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Madhya Pradesh Hybird Seeds Company Private Limited has been ordered to be would up by an order dated 18-1-1985 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh. Bench at Indore and the Official Liquidator attached with the said High Court has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. KARMAKAR Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

#### INCOMETAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 18th February 1987

No, F.48-Ad(AT)/1987.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Indunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Axistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 24-11-1986 vide this office notification. No. F. 48-Ad(AT)/1986, dated 18th December, 1986 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati for a further period of 3 months with effect from 24th February, 1987 or till the post as filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, as claim for Regular oppointment in the grade and the service tendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY
President

#### FORM ITNS - --

- (1) Smt Sita Devi Tibicwalla.
  - (Transferor)
- (2) Sahayoge Projects Pvt Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I NA RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calemia-16 the 16th February 1987

Ref. No. FR-243/86-87/St. 1278 TAC/AC.R-1/Cal. - Whereas, I, I, K, GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000% and bearing

No 4A situated it Syed Salley Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. under registration No. I-8453 dated 19-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce to the purposes of he Indian Income-tax Ac 1922
   (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned .—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 xplanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land with building standing on the northern back portion measuring 156sq mts. being portion of premises No 4A, Syed Salley Street. Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 1-8453 dated 19-6-86.

I. K. GAREN
Competent Authorits
Inspecting Assist on Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Raft Ahmed Kidwar Road
Calcutta-16

Date + 16-2-1987

----

#### FORM ITNS-

- (1) Smt. Alka Tibrawalla.
- (2) Snit. Ranjana Tibrawalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sahayoge Projects Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

> Calcutta-16, the 16th February 1987

Rel. No. 1R-241/86,87/Sl. 1277 J A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing

No 4A situated at Syed Salley Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. under registration No. I-8402 dated 18-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the staid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that land with building standing on the northern back portion measuring 156sq. mts. being portion of premises No. 4A. Syed Salley Street, Calcutta. Registered before the Register of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-8402 dated 18-6-86.

> I. K. GAREN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-2-1987

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhikaji Shankar Aher & Others,

(2) Sri Madhukant Virji Thakkar, C/o Neclam Centre, 'B' Wing, Ist Floor, Office No. 106, Hind Cycle Rd., Worli, Bombay-25. (Transferce)

426, Godavari Sadan, Vakil Wadi, Nasik-422 001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/369/86-87.—Whereus, J, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 108-A/6 & C.T.S. No. 6138 (pt) at Kasbe within the limits of Nasik Municipal Corpn., Dist Nasik Nasik (Panchvati) situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred & registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqu. Range, Pune on 6th December, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Immovable property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/389/86-87 dt. 6th Dec., 1986.)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1987

(1) Sri Pursottam Sittaram Gosavi & Others, 4319, Malvy Chowk, Panchvati, Nasik-3.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Chandrakant T Rajebhadur, 199, M. G Road, Nasik-422 001.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th February 1987

RFef. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/300/86-87.—Whereas, 1, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 251/2 & S. No. 243/2, Agrl. I and Near Bal Mandir, Agra Road, Panchvati, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqu. Range, Pune on 22-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION .-- The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 37EF/200/86-87 dt. 22-9-1986.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANJANI KUMAR Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1987

Scal:

(1) Sn Dhananjay Chintaman Palanitkar & Others Attorney: S. H. Chintaman Sadashiy Aagalaye, Agalavawada, Aadalawe Ah Kalvan, Dist Thane (Transferor)

(2) M/s Wikas Enterprises. 9-Uniya Niwas, Maneklal Fstate, Agra Road, Ghatkopar Bombay-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4503 86-87:---Whereas, 1 ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing S No 94, Hissa No. 0 (Zero) Mauje Chikanghar, Tal. Kalyan Dist. Thane situated at Chikanghar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of Competent Authority at IAC Range, Pune on 9th Sept. 86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(The property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 A.C. Acquisition Range Pune under document No. 37EE/4503/86 87 dt. 9th Sept. 1986)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely :-

Dnte: 9-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|4807|86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. Nos. & H. Nos. 27/1, 28, 29/1, 29|2, 32, 33, 37, 27|A|1|1, 26A/2, 26A/3/3, 26A/2, 26G, 30, 31, 28, 11, 12, 300, 301, 302/1, 302|2, at Nivivali, Kachore & Kalyan Dist. Thane situated at Kalyan, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of Competent Authority at IAC, Acqu Range, Pune on 19-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

13—496G1/86

- (1) Smt. Humayun Khodayar Irani & Others C/o Aryan Bakery, 68, Nizam Street, Bombay-9. (Transferor)
- (2) Naraindas Shiwandas Bharwani & Others Properietor of NCE International, Gala No. 2, Opposite BDD Chawl No. 114 Worli, Bombay-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(The property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/4807/86-87 dated 19th September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Cate: 9-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G|242|1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing All that piece a parcel of land on ground situated at

All that piece or parcel of land or ground situated at Tungarli in the Registration Dt. and Sub-Dt. of Pune & Mahad and bearing Sub-Divided Plot No. 167B of F.P. No. 167TPS 1 of Lonavala situated at Tungarli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and projected by 260AP of the state of the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range Pune on 23rd September, 1986)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Prof. M. L. Dantwala,
  Prof. Nilakanath Rath,
  Prof. V. M. Dandekar,
  Prof. S. V. Kogekar,
  Prof. C. T. Kurian,
  Shri K. N. Raj and
  Prof. Rajni Kothari,
  The Trustee of Indian School of
  Political Economy, Lonavala,
- (2) M/s. Jayanand Khira & Co. Pvt. Ltd. Khira Bhavan, Sandhurst Bridge, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 37G/242/1986-87 23rd September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 10-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ-VI/37EE/6-86/70.—Whereas, I,

T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1E/10, East Patel Nagar, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the IAC Acquisition Range-VI, Denni in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenn the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Raj Kumar Savara, Kewal Krishan Savara, Madan Saxara, Chuni Lal Savara, Jagdish Raj Savara, Bhim Sen Savara, Usha Savara, R/o 1/10, East Patel, Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ashoka Builders and Construction, 4E/15, Jhandewlan Extension, New Delhi-55.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"1E/10, East Patel Nagar, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delni/New Delhi.

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ-VI/37EE/6-87/71.—Whereas, I. T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4866/24, Daryaganj, New Delhi-2. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the office of the I.A.C. Acquisition Range II Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Om Parkash Gupta (HUF), 1170, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.
- (2) M/s. Sindhu Construction 27 B Parag, Deshmukh Marg, Bombay-26.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Single Storey House 4866/24, Daryagunj, New Delhi-2. Area 236.625 sq. mts.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi / New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/72.--Whereas, 1,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value and more fully described in the Schedule annexed hereto exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2/13, Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-VI.

Delhi in June 1986

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Darshan Kaur & Shri Narinder Pal Singh, C-616, New Friends Colony, New Delhi.

(2) M/s. Gaurav International 13/2, Ware Housing Scheme Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/13, Kirti Nagar, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73,—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-179 Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trueformal/registered under the Income tox. Act

has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of I.A.C. Acquisition Range-II, Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in insolms arising from the transf respect of sky
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rajiv Kumar Silas s/o Sh. B. A. Silas and Smt. Ruth Kusum Silas w/o Sh. Rajiv Kumar Silas both resident of J-179, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Maj. Prem Kumar Malhotra s/o Late Sh. Peshori Lal Malhotra, resident of L-12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (E) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Casette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

J-179, Rajouri Garden, New Delhi-27.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987. Seal:

-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. JAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-A.--Whereas, I, T. K. SAH,

1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15-A/1, W.F.A., Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Incomestax Act.

has been transferred/registered under the Income-ta 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III, Income-tax Act,

Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

- (1) Dr. Sudhanshu Chakravorty, 15-A/1, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s. DENON INDIA LTD., A-4. Mayapuri, Phase-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

15A/1, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri J. L. Birmani s/o Sh. T. R. Birmani, 15-A/44, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Vikash Agencies (P) Ltd., Pratap Chamber Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi through its Director P. S. Chawla.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-B.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act, have reason to believe that the initiovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Mpl. No. 10472 Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-A, W.E.A. Karol Bugh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LAC Acquisition Range-III. 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III, Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

2 storeyed house, Municipal No. 10472 Ward No. XVI Plot No. 44, Block No. 15-A, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (26.6 sq. yards).

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-C.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 101 to 104 in Pragati Towers 26, Rajendra Place.

New Delhi-110008

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III,

Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act., in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other sasets which have not been or may which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incorne-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
14—496 GI/86 (1) APAR PVT. LTD., 306-307, B M.C., House, Middle Circle N-Block, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. J. Jindal Medical Relief Society, Flat Nos. 101 to 106, Pragati Towers, 26, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Flat Nos. 101 to 104 in Pragati Towers 26. Rajendra Place, New Delhi-110008.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987.

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd., G-5/92 Nehru Place, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Susham Singla S/o Shri J. C. Singla M-2, Greater Kailash-I, Market New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37FE/6-86/73-D .- Whereas, I, Τ. κ. δΛΗ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the same having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-5 of Plot No. 15 Preet Vihar Community Centre, Delhi-92

situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III, Delhi in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement No. B-5 of 219 sq. ft. Super Covered Area in Commercial Building Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi-110092.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M's. Savitri Properties Pvt. Ltd., G-5/92 Nehru Piace, New Delhi.

(Transferor)

Shri Susham Singla
 S/o Shri J. C. Singla
 M-2, Greater Kailash-I, Market
 New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC 'ACQ VI/37EE/6-86/73-E.--Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. B-4, Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi-92 situated at New Delhi/Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LAC Acquisition Range-III, Delhi in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the wforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expression used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement No. B-4 of 248 sq. ft Super Covered Area in Commercial Building Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi-110092.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

#### FORM I'TNS-----

(1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd., G-5/92. Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj Singla S/o Shri J. C. Singla M-2, Greater Kailash-I, Market New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. JAC/ACQ-VI/37EE/6-86/73-F.--Whereas, I, T. K. SAH,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. B-6 at Plot No. -5, Preet Vihar Community Centre, Delhi situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred/registered under the Income-tax Act.

has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C Acquisition Range-III, Delhi

in June, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Basement No. B-6 of 218 sft. Super Covered Area in Commercial Building Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi-110092.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd., G-5/92, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

Shri Manoj Singla,
 S/o Shri J. C. Singla
 M-2, Greater Kailush-I, Market
 New Delhi,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. JAC/ACQ-V1/37EE/6-86/73-G.-Whereas, 1, T. K. SAH,

1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. B-7, at Plot No. 15

Preet Vihar Community Centre, Delhi-92 situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the 1.A.C. Acquisition Range-111, Delhi in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said miniovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- I YPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Basement No. B-7, of 269 sft. Super Covered Area in Commercial Building Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi-110092,

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1987

(1) M/s. Seamless Capsules Pyt. Ltd.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Shri Purshottam C. Tulsiani.

(2) Transferor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

> ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE ВОМВАҮ-38

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/35072/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000, - and bearing Plot No. 65, Marol Industrial Area, Taluka Andheri to-

gether with Factory and other structure

situated at Bombay

2072

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-tent Authority at Bombry on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projectly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper! may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neigh as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 65 Marol Industrial Area Taluka Andheri, together with factory & other structures.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EF, 35072/85-86 on 27-6-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1987

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II (A)
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY

Bombay-38, the 13th February 1987

No AR II(A)/37EI./34602 85-86.—Whereas, I, A BAIDYA,

A, BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/- and bearing No. 101 Gold Crown Picnic Cottage, 7, Bunglous, Andhers (W), Bombay-61 structed at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 12-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 103).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii livanpal Gupta, Anandpaul Gupta & Satishkumar Gupta.

(2) Shii Sanjeev Jaggi & Smi, Anamika Gaggi

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

101, Gold crown, Picnic Cottage, 7, Bunglows, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombry under No. AR II(A)/37EE/34602/85-86 on 12-6-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 13-2-1987

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A)
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

No. AR.II(A)/37EE.35070/85-86.--Whereas, I.

No. AKIR(A)/5/EE350/0/65-60.—Whereas, I. A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Mogra Village, Andheri (East), Bombay-69 citated at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Melvyan Dyas, Mr. Elmo Pter Dyas Mr. Morgan Bernad Lyas.

(2) Pravin H. Doshi & Shri Jayshree P. Mehta. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasetts.

FARIANATION 5—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Village Mogra, bearing S. No. 4, & H. No. 1, CS No. 38 and 38(1 to22) admeasuring 1973 and CS No. 29 & 39 (1 to 11) admeasuring 4954.6 sq. meteres aggregating to 6927.6 square meters and assessed by Municipal Corporation of greater Bombay under K. Ward.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.35070/85-86 on 27-6-1986.

A, BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 13-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A) CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

AR.II(A)/35069/85-86.—Whereas, I.

A. BAIDYA, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situate at village Mogra, Taluka Andheri, S. No. 11, Hissa No. 3, (Pt) CS No. 254, 254 1 to 10 admeasuring 862.85 sq. marks

862.85 sq. mtrs. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the apparent consideration consideration consideration consideration for such the apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 15-496GI/86

- (1) Shri Sitaram Tukaram Satnam & Another (Transferor)
- (2) M/s, G, I, P. Associates,

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the Property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land situate at Village Mogra, Taluka Andheri, Survey No. 11, Hissa No. 3 (Part), City Survey No. 254, 254 1 to 10 admeasuring 862.85 sq. mtrs.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.35069/85-86 on 27-6-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 13-2-1987

FORM ITNS----

(1) M/s. Super Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Teekay Menthol Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II (A) CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

No. AR.II(A)/37EE.34830/85-86 -- Whereas, I.

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement banks a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Compartment No. 52, Plot No. 16, Marol Co-operative Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Bombay-400 059

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 1,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the action of notice and the contract of the co from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Compartment No. 52, Plot No. 16, Marol Co-operative Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Bombay-400 059.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/34830/85-86 on 20-6-1986.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 13-2-1987

Scal;

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A)
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

No. AR.II(A)/37EE.35083/85-86.—Whereas, I.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Taluka

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have zeason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Rockline Construction Co.

(Transferee)

(3) M/s. Jav Jay Construction Co.
(Person whom the undersigned knows of be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days of 45 from the service of notice on the respective person over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Oshiwaia, Taluka Andheri in the Registration District and Sub-District of Bombay City and with the honest of regording their release of sensitive descriptions. with the benefit of sanctioned being plans in respect of in-Bombay Suburban bearing Survey No. 41 (Pt.) together complete buildings under construction i.e. C-27 & C-28 with benefit of FSI of 27,840 sq. ft. B.U. or thereabouts.

agreement has been registered by the Competent ty, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.35083/85-Authority, Bomb 86 on 27-6-1986.

> A. BAIDYA Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date · 13-2 1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/35084/85-86.-Whereas, I. A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair value market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Village Oshiwara Taluka Andheri, bearing Survey No.

41 (Part) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Dholakia & Dayal Builders.

(Transferor)

- (2) M/s Rockline Construction Co.

(Transferee)

(3) M/s Jay Jay Construction Co.
(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and All that piece of parcer of land of glotting situate lying and being at Village Oshiwara, Taluka Andheri in the Registration District and Sub District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Survey No. 41 (Part) together with the benefit of sanctioned building plans in respect of Tower I-3 with benefit of F.S.I. of 61,120 sq. ft. BU. or thereabouts.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II(A)/37EF/25084/85-86 on 27-6-1986

> A. BAIDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1987

- (1) M/s Rajusthan Textile Mills.
- (2) M/s Superb Enterprises.

(Transferor) (Transferec )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A), CONTRACTOR BUILDIN .
BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A) /37EE/34897 /85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of th-Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Industrial Gala No. 14, Mittal Estate Building No. 6, Udit Mittal Indl. L. Co-op. Soc. Ltd., Andheri (East), Bombav

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competers Authority

at Bombay on 20-6-1986

at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of incomplete of incomplete the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the object of incomplete the said instrument of transfer with the said instru with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 14, Mital Estate Building No. 6, UDIT Mittal Indl. I.. Co-op. Society Ltd., Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/34897/85-86 on 20-6-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :-

Date: 13-2-1987

(1) Pravinchandra P. Odhwani, Promoter Manesh L. Dholakia.

(2) 1. Anil Kumar Agarwal, 2. Mrs. Santoshkumari R. Agarwal.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II (A), CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

No. AR.IIA/37EE/34964/85-86.--Whereas, 1,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Talvila Andheri

Taluka Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land forming part of survey No. 41 (Part) Village Oshiwara Taluka Andheri with benefit of building plans for Building L1 with ground area of 2234,3974 sq. Mts. and 34,380 sq. ft. FSI.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A) /37EE/34964/85-86 on 26-6-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1987

Scal:

(1) M/s Especial Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. V. Gopalakrishnan and Mrs. K. V. Seetha,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II (A), CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/34429/85-86.—Whereas, I.

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 31, in building S.T.S. 200 New D. N. Nagar Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Authority

at Bombay on 2-6-1986

at Hombay on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 31, on Plot No. STS 200, New D. N. Nagar

That No. 31, on Plot No. 318 200, New D. N. Nagar Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/34329/85-86 on 2-61986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1987

Soal:

#### FORM I.T.N.S.-

# (1) Mr. Kumar V. Advani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. Jasdeepsingh Obioi and M/s Harnamkaur Oberoi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II (A), CONTRACTOR BUILDING BALLARD FSTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/34980/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 404 Spring Leaf Co-op. Housing Society Ltd., 7
Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 26-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 404, Spring Leaf Co-op. Housing Society Ltd., 7 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/34980/85-86 on 26-6-1986,

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1987

Seal

(1) Shri Gurdeepsingh Bajaj Shri Paramjit Singh Bajaj. (2) M/s. Supreme Developers.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJ(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD FSTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE.34798/85-86.--Whereas, I. A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 240, Sher-e-Punjab Co-operative Society, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever petiod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 240, Sher-e-Panjab Co-operative Society, Mahakali Caves Road., Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37FE.34798/85-86 on 19-6-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contractor Building Balard Fstate, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-16-496GI/**86** 

Date: 13/2/1987

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamladevi Chandrakant Gupta.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Rei No. AR.II(A)/37EE.34703/85-86,-Whereas, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have reason to be seen that the immovable property. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703, Horizon View—I, Off J. P. Road, Andheri (W),

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered by 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that ue counderation for such transfer as agreed to between the confide has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1937 (27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 703, Horizon View-I, Off Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.U(A)/37EE.34703/85-86 on 13/6/1986.

A. BAIDYA Competent Authority . Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contactor Building, Balaid Estate, Bombay.

Date: 13/2/1987

Principal International Intern

#### FORM ITNS---

# (1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

#### (2) Mr. Ramesh Nanalal Shah & Mrs. Hansa Ramesh Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE.34345/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, & Parking No 15, Horizon View-I, Off J. P. Rd. Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 501 & Parking No 15 Horizon View-I, on plot No. 70 of S. No. 91A(Pt.) & 95A (Pt.) Off Jai Prakash Rd., Versova, Andheri (West, Bombay-61.

The agreement has been negistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II(A)/37EE.34345/85-86 on 2/6/1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contactor Building, Balard Estate, Bombay.

Date: 13/2/1987

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Noorool Amin Yoosuf kazee.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. II(A)/37EE.34702/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 302, Horizon View III, Off J. P. Rd., Versova, Andheri (W) Bombay situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred & registered u./c. 269AB of the said

has been transformed & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. at Bombay on 13/6/1986.

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, Horizon View III, Plot No. 70 of S. Nos. 91A(pt) and 95A(pt.) Off Jai Prakash Road, Versova Andher (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.34702/85-86 on 13/6/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contactor Building, Balard Estate, Bombay.

Date: 13/2/1987

(1) M/s. K R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Mradula P. Shah & Mis. Chandan Ashok Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No.  $II(\Lambda)/37EE.34989/85-86$ .—Whereas, I, A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Horizon View-I, Oll J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  $\Lambda$ uthority

at Bombay on 26,6/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, Horizon View-I, situated on plot No. 70, of S. Nos. 91A(Pt.) & 95(Pt.) Off Jai Prakash Road. Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.3489/85-86 on 26/6/86.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contactor Building, Balaid Estate, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1987

Scal:

(1) Shri Surinder Singh Bhalla &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Margaret Bhalia. (2) Shri Prakash Ishwardas Java & Smt. Shiela Java.

may be made in the writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE.34417/86-87.—Whereas, 1, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 303, Jewel Mahal, 7 Bungalows, Andheri (West), Bom-

bay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

/b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

303, Jewel Mahel, 7 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II(A)/37EE.34417/85-86. on 2/6/1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A)
Contactor Building, Balard Estate, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 13/2/1987

- (1) M/s. Rajgir Builders.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mrs. Komal Sharadkumar Chhatpar. Mr. Sharadkumar Kewalram Chhatpar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 13th February 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE.35125/85-86.--Whereas, I,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Rajgir Milan Andheri (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), -

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said. Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 301, 3rd floor, 'Rajgir Mila', S. No. 77, Hissa No. 3, Village Andheri, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE.35125/85-86 on 27-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Contactor Building, Balard Fstate, Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1987

# FORM ITNS----

(1) Sint. Ishawaril al Mor. Idhar Rajeja.

(Transferor)

(2) Shii Khialdas Naroomal Jeswani.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE. BOMBAY-38

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR-IB/37EF/11867/85-86 - Whereas. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov Rs. 1,00,000/- and bearing
Bldg. No. 1, Flat No. 14 6th floor Navjivan Co op. Hsg.
Society Ltd., Limington Rd., Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of —

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cozcite

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg. No. 1, Flat No. 14, 6th Floor, Navjivan Co-op. Hsg. Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No AR-1/37EE/10477/85-86, dated 16/686.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce from the interest of the Indian Incometax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I-B Contactor Building, Balard Estate, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ass Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons, namely:-

Date: 17/2/1987

(1) M/s. Semiecon Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Concord Steel Works Pvt. Ltd.

(Transferce)

, NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1987

No. AR-IB/37EE/11851/85-86.—Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Premises No. 506, 5th Floor, Kakad Chambers Worli,
Bombay-400 018 situated at Bombay
-(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--17-496GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Premises No. 506, 5h Floor, Kakad Chambers, Worli, Bombay-18.

The areement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10470/85-86 dated 16-6-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-2-1987

Seal ;

# FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Bharwani Bros. & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ranjana J. Patel & Mr. Amit J. Patel (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1987

No. AR-IB/37EE/11838/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, 5th Floor, Shiv Lila, 57, Alibhai Premji, Grant

Road (E), I ombay-400 004 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which mave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Shiv Lila, 57, Alibhai Premji, Grant Road (E) Bombay-400 004.

The arecment has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10469/85-86 Dated 16-6-1987.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Dated: 3-2-1987

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (46 OF 1961) (2) Smt. Jayaben Shamji Bhai Rathod.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1987

No. AR-IB/37EE/11826/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Flat No. 2, Floor No. 14, Bldg. No. 5, Property Bearing C.S. No. 868/1/868, Worli, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Bombay on 16-6-1986

Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Floor No. 14, Bldg. No. 5, Property Bearing C.S. No. 868/1/868, Worli, Bombay.

The areement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10463/85-86 dated 16-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 3-2-1987

Seal

(1) Tardeo Properties Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Canara Bank.

(Transferce P

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA .

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No| AR-IB/37EE/11781/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 606, 6th Floor, Shrin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said. Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. A.R.-1/37EE/10447/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-2-1987

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(2) Canara Bank.

(Transferor)

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB. BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11777/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Saud Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 506, 5th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ź

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10443/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-2-87

#### FORM ITNE-

- (1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.
- (Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11775/85-86.-Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 306, 3rd Floor, Shirin Apartments, Bldg No. 1, C.S.
No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema,
Bombay-400 007, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.
- 1 XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10441/85-86 Dated 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-2-87

Scal:

## (1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(2) Canara Bank.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D .(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11770/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Comptent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 1st Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Bombay-400 007, situated at Bombay Competent Authority at (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-6-1986

at Rohtak under Registration No. 37EF/413/86-87 on 20-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10436/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 6-2-87

(1) Shri Sirish Ratilal Bhansali & Other

(Transferor)

(2) M/s. Pink Star

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

No. AR-IB/37EE/11762/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Office Premises No 1009/A, 10th Floor, Prasad Chambers Bldg., Plot No. 1487, Girgaum Div. Swadeshi Mills Estate Near Roxy Cinema, Bombay-4, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter-
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 1009/A, 10th Floor, Prasad Chambers Bldg., Plot No. 1487, Girgaum Division, Swadeshi Mills Estate, Near Roxy Cinema, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10431/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 2-2-87

(1) M/s. Four Star Diamonds.

(Transferce)

(2) Smt. Gulab M. Jain and Smt, Chandrakala M. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IB BOMBAY

Bombay, the 26th February 1987

Ref. No. AR-III NISAR AHMED, AR-IB/37FE/11765/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 246, Panchratna Bullding Opera House, Bombay-4.

situated at Bombay

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 246, Panchiatna Building Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10433/85-86 dt. 3-6-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforese'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person\*, namely :--- 18-496GI/86

Date : 2-2-1987 Seal :

(1) M/e. Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Sombay, the 6th February 1987

Ref. No. IB/37EF/11769/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Jamuna Cinema, Tardeo Bombay-400007.

situated at Bonibay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 102, 1st Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Jamuna Cinema, Tardeo Bombay-400007,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10435/85-86 dt. 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following process. ing persons, namely ;-

Date : 2-2-1987

Seal ;

(1) M/s. Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I-B, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

Ref. No. AR-IB/37J-E/11771/85-86.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, 1st Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tandao Hornburt 400007.

Tardeo, Bombay-400007. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been really stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 106, 1st Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-400007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10437/85-86 dt. 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I-B, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1987

No. AR-IB/37EE/11731/85-86.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/? and bearing Flat No. 182, 18th Floor, Kakashaeb Gadgil Marg, Prabha-

devi, Bombay. situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kalpataru Indo-Saigon Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Parasmal Mithalal Sancheti and Mrs. I celakumari Parasmal Sancheti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 182, 18th Floor, Antariksha Building Kakashaeb Kradgil Marg, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10425/85-86 dt. 2-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1987

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I-B, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/11772/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100 000/2 and begging

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 107, 1st Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 305, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema,

Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 107, 1st Hoor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315 Taideo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Taideo Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/10438/85-86 dt. 3-6-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:—

Date 6-2-1987

# NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/11773/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 206, 2nd Floor, Shirin Apartments, Building No. 1,

C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

situated at Bombay

ţ

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cere of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of may income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd Floor, Shirin Apartments, Building No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10439/85-86 Dated 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 2-2-1987 Scal :

# FORM ITNS-

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) Canara Bank

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

AR-IB/37EE/11774/85-86.—Whereas, I, NISHAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 207, 2nd Floor, Shirin Apartments. Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema Bombay-400 007 situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 I1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 207, 2nd Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-1.

The agreement has been registered by Authority, Bombay, under No. AR-IB/37EE/10440/85-86 Dated 3-6-1986.

> NISHAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-IB,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

Date: 6-2-1987

Scal:

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11776/85-86.—Whereas, I, NISHAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 307, 3rd Floor. Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Canara Bank

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IB/37EE/10442/85-86 Dated 3-6-1986.

NISHAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay

Date: 6-2-1987

Scal;

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIGNER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE IB. BOMBAY

. Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11778/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incume-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 507, 5th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-400 007

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the a coessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ΓΑΡΙΑΝΑΤΙΟΝ:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-400 007. Opp. Ganga Jamuna

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No AR-I/37+E/10444/85-86 Dated 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-19—496GI/86

Date: 6-2-1987

Scal:

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I-B. BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11779/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, 6th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1,
C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema,
Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; 2nd or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Component Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10445/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I-B. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pereons, numely:-

Date: 6-2-1987

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(2) Canara Bank

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1-B, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE/11780/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, 6th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th Floor, Shirin Apartmenta, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10446/85-86 Dated 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 6-2-1987

(1) Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I-B, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1987

No. AR-IB/37EE, 11782/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 607, 6th Floor, Shirm Apartments, Bldg. No. 1,
C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna
Cinema, Tardeo, Bombay-7 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more rully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 607, 6th Floor, Shirin Apartments, Bldg. No. 1, C.S. No. 315, Tardeo Division, Opp. Ganga Jamuna Cinema, Turdeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10448/85-86 Dated 3-6-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-2-1987

#### PORM ITNE

- (1) Grest Hotele Ltd.
- (Transferor) (5)
- (2) Smt. Saranga A. Agarwal.

(Transferee) (s)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/11803.—Whereas, I, A. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 5th Floor H/1, Dr. Annie Beaant Road, Bombay-

400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compe ent Authority at Bombay on 16/6/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 3, 5th Floor, H/1, Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10454 on16/6/ 1986

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1937 (27 of 1957);

A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/2/1987

Sodi :

### \_\_\_\_\_\_

### (1) Mr. Jayant Sanjivrao Baljekar and Mrs. Usha Jayant Baljekar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dnyanendra Gunwant Kadu and Mr. Pratap Gunwant Kadu

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/11748/85-86 —Whereas, I, A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4-C, Anant Niwas 1st Floor, Purandare Park, 169.
Dr. Ambedkar Road, Dadar T. T.,Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compe ent Authority at Bombay on 3/6/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4-0, Anant Niwas, Ist Floor, Purandare Park, 169 Dr. Ambedkar Road, Dadar, T. T., Bombay-400 014.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37EE/10427/85-86 dt. 3/6ff1986.

A. K. GUPTA
Conspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date: 10/2/1987

Swal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IC BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/11804/85-86.—Whereas, I, A. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 2, 5th Floor, Hill, Dr. Annie Besant Road, Worll, Bombay-400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compe ent Authority at Bombay on 16/6/1986

so an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than safteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Crest Hotels Ltd.
- (Transferor) (s)
- (2) Smt. Manju N. Gupta

(Transferce) (5)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th Floor, H/1, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10455 on dt. 16'6/1986.

A. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date: 10/2/1987

(1) Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor) (8)

(2) Mr. Gui Setpal

(Transferee) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-JC BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987 Ref. No. AR-IC/37EE/11859/85:86.—Whereas, I, A. K. GUPTA,

being the Competent Authori y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 21 & 22, 2nd Floor, Palm-Spring, 248, Prabhadevi, Bombay-400 025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compe ent Authority at Bombay on

16/6.1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 21 & 22, 2nd Floor, Palm-Spring, 248, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10473/85-86 dt. 16/6/1986.

A. K. GUPTA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per sons, namely:—

Date: 10/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-IC **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EEff11720/85-86.—Whereas, I, A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Unit No. 3. 2nd Floor, Prabhadevi Industrial Estate V. S.

Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025 2/6/1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Compe'ent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-20-496GI /86

(1) M/s Arman Holding Limited

(Transferor)

(2) Ambattur Colthing Company

(Transferee)

(Transferee) (s)

(3) Self Occupied

(Person in occupation of the property)

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 3, 2nd Floor, Prabhadevi Industrial Estates, V.

Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10424/85-86 on 2/6/1986.

> A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JC Bombay

> > ۹,

Date: 16/2/1987

Scal:

(1) M/S Crest Hotel Ltd.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Shri Anilkumar Agarwal

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IC **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/11802.—Whereas, I, A. K. GUPTA,

of transfer with the object of:-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. H/1, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay

400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

16/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. H/1, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/10453/86 16'6ff11986.

> A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IC Rombay

Date: 10/2/1987

- (1) M/s. Crest Hotels Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Natendra Pal Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE/11805.—Whereas, 1, Λ. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 5th Floor, Plot No. H/1, Dr. Annie Besant Rd.

Worli, Bombay-400 018.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th Floor, Plot No. H/1, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10456 on 16-6-86,

> A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1987

- (1) Mr. V. H. V. Rao.
- (Transferor)
- (2) Mr. Shyam Cirdharidas Punjabi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-C, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-1/37EE/11872/85-86.—Whereas, J. A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 48-E-2, Vensus Apaitments, Worlim Sea Face, Bombay-400 018.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986

for an appaient consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property atoresaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by anv of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

48-F-2, Vensus Apartments, Worli Sea Face, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Under No. AR-I/37EE/10479/85-86 dated 16-6-86.

A. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1987

(1) Smt. Indira Sadashiv Rotwal & Others.

(Transferor) (2) M/s. Nirgudkar Constructions Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-IC/37EE|11865/85-86.—Whereas, 1, A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act.), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 72 (South) Dadar Matunga Estate of the Corporation, New Survey No. 1152 (Part I), Cadestral Survey No. 70//10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 16-6-1986

Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 72 (South) Dadar Matunga Estate of the Corporation, New Survey No. 1152 (Part I) Cadestral Survey No. 70/10.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10475/85-86 Authority, Bodated 6-6-1986.

> A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Date: 10-2-1987

Scal:

### FORM I.T.N.S. ----

(1) Ramesh J. Bhatt & Smt. Rashila R. Bhatt.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Chopia.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IC CONSTRACTED BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II-IC/37EE/34786/85-86.-Whereas, 1, A. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable projectly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-4, Silver Queen Co. op. Hsg. Society L. J. Rd.,

Mahim, Bombay-16.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be anclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 1st floor, Silver Queen Co. op. Housing Society L. J. Road, X-No. 2, Mahim, Bombay-16.

rement has been registered by the Competent Bombay under No. AR. II(IC)/37EE/34786/ The agreement has been Authority, Bombay 85-86 on 19-6-1986.

> A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-2-1987

### (1) Shri Manubhai Nathubhai Patel.

(3) M/s. Ashok Packaging.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s. Offset Award.

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-IC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th February 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR. II-1C/37EE/34934/85-86.—Whereas, J.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

A. K. GUPTA, A. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1 in Udyog Mandir No. 1, in Udyog Mandir Premises Co. operative Society Itd, 7-C Pitamber Lane, Mahim, Rombay 16.

Bombay-16.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 23-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration than not the poster than not become the consideration than the consideration the consideration than the consideration the consideration the consideration the consideration the consideration than the consideration the consideration than the consideration than the consideration the consideration the consideration the consideration that the consideration the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration therefore the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration the c between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 1, in Udyog Mandir No. 1, in Udyog Mandir Premises Co. operative Society Ltd.. 7-C, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/34934/85-86 on 23-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1987

(1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Guru Import & Export.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IIC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay, the 11th February 1987

Ref. No. AR. II(C)/37EE/34809/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 72, 7th floor, Ruia Park, C-Wing, S. No. 47, Juhu.

Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 7th floor Ruia Park, C-Wing, S. No. 47, Juhu, Bombay,

registered by the Competent The agreement has been Authority, Bombay under No. AR. IIC/37FE/34809/85-86 on 20-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II-C Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1987

Scal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. (Mrs.) Sudha Doulat Ramchandani. Mr. Doulat Hiranand Ramchandani.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Mehta. Mrs. Priya Mehta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. AR. IIC/34513/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3rd Floor, Shishir, 15-A, Juhuntara Road, Bom-

bay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--21-496GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor, 'Shishir' 15-A, Juhu Tara Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34513/85-86 on 6-6-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Date: 1-2-1987

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. No. IIC/37EE/34803/85-85.—Whereas, I, V. B.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beleinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. CTS 750, 750 (1 to 7) Subhash Road, Vile Parle (E), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-staid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Arvind Appa Parab. Shri Manchar Appa Parab Shri Balkrishna Appa Parab. Suresh Appa Parab. Shri Ramesh Appa Parab & Shri Arun Appa Parab. (Transferor)
- (2) M/s. Bal Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. CTS Nos. 750, 750 (1 to 7) Subash Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34803/85-86 on 20-6-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

AR.II(C)-37EE/34704/86-87.—Whereas, I, No. V. B. GUPTA,

V. B. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 710—terrace, 'Ial Darshan, at Ruia Park, Juhu, Bombay-49 situated at Bombay (and wave fully described in the Schedule appayed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. M. R. Combine.

(Transferor)

(2) Mr. Raju Kandhari, Mrs. Veena B. Kandhari, Mrs. Kiran H. Kandhari, Master Manoj Kandhari (Minor), Mr. Harsh Kandhari as father & natural guardian. (Transeferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 710 plus terrace in the buldg. 'Jal Darshan' 18-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1, (Pt.) & 2 (Pt.) at Ruia Park, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34704/85-86 on 13-6-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-2-1987

•

FORM ITNS

(1) Kishor Ramanlal Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Kala Niketan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupatino of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. No. AR. IIC/37EE-34770/85-86,--Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs, 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, with open parking space in Navyug Bldg.
J.V.P.D. Scheme, V. M. Road, Vilc Parle (W), Bombay-56 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ∎ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the jaste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor with open parking space, Navyug Building, Juhu Vile Parle Development Scheme, V. M. Road. Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34770/85-86 on 19-6-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IC, Bombay

Date: 1-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref No AR IIC/37EE 35024/86-87—Whereas I, V B GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No A-32, Juhu Sun-N-Sea Apartments, 33B, Juhu Tara Road, Authori (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule superved hereto)

Flat No A-32, Juhu Sun-N-Sea Apartments, 33B, Juhu Tara Road, Andhert (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Chamansingh Jawansingh Solanki

(Transferor)

(2) Mrs Shirin Hakim Sakarwala Mi Hakim Badruddin oSakarwala

(Transferce)

(3) Transferces

(Person in occupatino of the property)

(4) Juhu Sun S-Sea Co-op Housing Society I td (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No A. 32, Juhu Sun-N-Sea Apartments, 3rd Floor, 33B, Juhu Tara Road, Santaeruz (West), Bombay-54

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IIC/37EE-35024/85-86 on 27-6-1986

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—20—496GI/86

Date 1-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

AR. IIC/37EE-34367/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bombay-400 056

Plot No 742, S. No. 217, H. No. 2, Post Vile Parle (W). 'and more fully described in annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at Bombay on 2-6-1986

Bombay on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhagirathi Safalya Co-op. Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Irla Development Corporation. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- 'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 742, S. No. 217, H. No. 2, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34367/85-86 on 2-6-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-2-1987

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IIC. CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. No. AR-II-C/37EE/34533/85-86,-Whereas, V. B. GUPTA.

V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 301, Beach Haven II, Co-operative Housing Society Ltd., Juhu Tata Road, Juhu, Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ramesh Laxminarayan Chadhary.

(Transferor)

(2) Hansa Kishorechandra Sankalia. Kishorechandra Manubhai Sankalia. Nilay Kishorechandra Sankalia.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Vijay Laxminarayan Chaudhary.
Ashok Laxminarayan Chaudhary.
(Person whom the udnersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor in Beach Haven II Co-operative Housing Society Ltd., at Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34535/85-86 on 6-6-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC Bombav

Date: 1-2-1987

representation and the

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. No. AR-II(C)/37EE/34516/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPHTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 71-B, Ruia Park, Juhu, Bombay (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Rombay, or 6-1,1096

Bombay on 6-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Cazitan Marquis Mrs. Piedade Marquis and Mr. Costao Xavier Marquis.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as give: in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 71-B, 7th floor 'Ruia Park, at S. No. 47 Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE/85-86 on 6-6-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 1-2-1987

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. AR.IIC/34604/37EE/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Bharat Juhu Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Juhu

Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeside property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Mrs. Veena Mohan & Smt. Sushila S. Shringi. (Transferor)
- (2) Mrs. Kadhushree A. Kejriwal.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 302, Bharat Juhu Co-op. Housing Society Ltd. Gandhlpuram Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE-34604/85-86 on 12-6-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Date: 1-2-1987

Scal .

### FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Mr. Combine.(2) Mrs. Vimal Mahajan.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1101 1101, 1501 (45 01 1501)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-IIC, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref No. AR.IIC/34465/37EE/85-86.—Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 211, Jal Darshan, 18-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1 (pt) & 2(Pt.) at Ruia Park, Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 211, 'Jal Darshn' 18-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1 (Pt) & 2 (Pt) at Ruia Park, Juhu, Bombay.

Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE/34465/85-86 on 5-6-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 1-2-1987

Soal .

### FORM ITNE

(1) M/s. Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Golden Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC. CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 1st February 1987

Ref. AR.IIC/37EE-34369/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 33-A on 3rd floor, Ruia Park, S. No. 47, Juhu, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) 'y any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- bxFlanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 33-A, 3rd floor, Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/73EE-34369/85-86

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, \*\*Earnely:—

Date: 1-2-1987

Seal .

# NUFICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai-625 002, the 4th February 1987

Ref. No. 2/JUNE/86,-Whereas, 1, S. M. KHADE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 704 to 717, 720 & 721 situated at Naranammalpuram

√illage

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Tirunelveli (Doc. No. 1006/86) in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason w believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sanmax Consolidations LTD., 8. Cathedral Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Chemicals and Monomers Ltd., 39, Chamiers Road, (I Floor), Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building,

S. M. KHADE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :---

Date: 4-2-1987